Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 15 ● अंक-223 ● रायपुर, मंगलवार 12 सितम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
भाद्रपद कृष्ण पक्ष
पक्ष-त्रयोदशी

3

तृतीय लिंग समुदाय और दिव्यांगजनों की शहर में निकली रैली

5

ब्लॉक स्तरीय टी.बी. एलिमिनेशन टास्क फोर्स की बैठक हुई संपन्न

7

ई-जनचौपाल में 58 आवेदन प्राप्त, निराकरण हेतु अधिकारियों को दिये निर्देश

सुविचार

जिसका दिल दरिया होता है
उसमे सुख दुःख सब
घुल जाते है
-स्वदेश तिवारी

संक्षिप्त समाचार

जी-20 सम्मेलन में हर तरफ दिखी इसकी झलक...

लोकल से ग्लोबल की राह पर बढ़ चला भारत-पीएम मोदी...

■ जी20 शिखर सम्मेलन में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक भारतीय विरासत से रूबरू होते नजर आए विदेशी मेहमान

नई दिल्ली । एजेंसी

देश में जहां अभी भी भारत या इंडिया को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है, वहीं 'भारत' नाम को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की शुरुआत हो चुकी है। इसकी पहली झलक नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में देखने को मिल चुकी है, जहां बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने रखे गए नेम प्लेट पर पहली बार 'इंडिया' की जगह 'भारत' लिखा देखने को मिला है।दरअसल, देश के नाम को लेकर विवाद तब छिड़ा, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जी20 डिनर के लिए निमंत्रण पत्र भेजा। दरअसल, उस निमंत्रण पत्र पर 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की जगह 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखा हुआ था। जहां जी20 शिखर सम्मेलन में हर जगह देश को 'इंडिया' की जगह 'भारत' से संबोधित किया गया, उससे अटकलें तेज हो गई हैं कि अब सभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी 'भारत' के प्रयोग पर बात आगे बढ़ने वाली है। हालांकि, इसकी कुछ औपचारिकताएं होती हैं, जिन्हें पूरा करने के बाद नाम में बदलाव हो जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के प्रमुख प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा है कि किसी भी देश के नाम में बदलाव किया जा सकता है, उसके लिए कोई खास प्रावधान नहीं है। कुछ औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद आसानी से नाम में बदलाव

किया जा सकता है, इसमें कोई दिक्कत नहीं आती है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मंच पर तुर्किये के नाम में बदलाव किया गया है। अब तक तुर्किये के लिए तुर्की शब्द का इस्तेमाल होता था, लेकिन जब देश का नाम बदला, तो इसके लिए आवेदन किया गया था। संयुक्त राष्ट्र में आवेदन कर तुर्की को तुर्किये करने के लिए कहा गया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के बाद देश को संयुक्त राष्ट्र मंच से तुर्किये की पहचान मिली। नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में भारतीयता का गौरवपूर्ण प्रदर्शन भी देखने को मिला है। इस पूरे शिखर सम्मेलन के दौरान हर एक मौके पर भारत के इतिहास की झलक देखने को मिली है। जिससे कहा जा सकता है कि देश की समृद्धि को पुरानी पहचान दिलाने की कवायद कई हद तक तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल हुए विश्व नेताओं का भारत मंडपम में स्वागत किया। जिस जगह पर खड़े होकर पीएम मोदी सभी विदेशी मेहमानों का स्वागत कर रहे थे, उसके पीछे कोणार्क सूर्य मंदिर का पोस्टर लगा था। इसके जरिए विदेशी मेहमानों को भारत की समृद्ध विरासत से मिलाने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं, इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को इस मंदिर के बारे में बताते हुए देखा गया था, यानी भारत की इस पहचान और समृद्धता से विदेशी मेहमानों भारत का संदेश भी भेजा गया था।

विदेशी मेहमानों के परिधान में दिखी झलक

इन विरासतों के अलावा, वैश्विक स्तर पर भारत को पहचान मिलने का एक और संकेत जी20 शिखर सम्मेलन में देखने को मिली। दरअसल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जी20 डिनर का आयोजन किया था, जिसमें विदेशी मेहमानों की पत्नियों को भारतीय परिधान में देखा गया। इसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस रात्रिभोज में शामिल होने के लिए जापान के राष्ट्रपति फुमियो किशिदा की पत्नी यूको किशिदा को हरे और गुलाबी रंग की साड़ी में देखा गया था। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिया को बैंगनी सूट और सुनहरे रंग के दुपट्टे में देखा गया था। इसके अलावा, मॉरिशियस के पीएम की पत्नी भी ऑफव्हाइट रंग की साड़ी में पहुंची थी। इस कार्यक्रम के लिए ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक की पत्नी भी इंडो-वेस्टर्न लुक में देखी गई थी। इस डिनर नाइट में ज्यादातर व्यंजन भारतीय थे।

भाजपा सरकार मंहगाई रोकने में पूरी तरह विफल- अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों से महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। महंगाई की मार से आम जनता त्रस्त है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह से विफल है। डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस, खाने पीने की चीजों की कीमतें पहले से ही बढ़ी हुई है। तेल, दाल और सब्जियों की कीमते आसमान छू रही है। लोगों को जीवन निर्वाह मुश्किल हो रहा है। दवाओं की महंगाई और महंगे इलाज ने लाखों परिवारों की कमरतोड़ रखी है। अब सरकार भवन निर्माण समाग्री पर नए सिरे से जीएसटी थोपकर घर बनाना भी महंगा करने की तैयारी में है। भाजपा सरकार की दोषपूर्ण जीएसटी जनता पर भारी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि ईंट, मौरंग, बालू ओर गिट्टी पर 18 फीसदी जीएसटी लगाने से गरीबों और मध्यम वर्ग पर बड़ा बोझ पड़ेगा। भाजपा सरकार लोगों का अपना घर और छत बनाने का सपना तोड़ रही है। यह सरकार जनता की जेब काट कर बड़े उद्योगपतियों का खजाना भर रही है।

रैपुरा पुलिस ने ट्रक चोरी की घटना का किया सफल अनावरण

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकारी राजापुर निष्ठा उपाध्याय के पर्यवेक्षण में थाना रैपुरा पुलिस ने ट्रक चोरी की घटना का अनावरण करते हुए चोरी का ट्रक बरामद कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि बीते 8 सितम्बर को रैपुरा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत भौरी गांव के निवासी हरिमोहन त्रिपाठी पुत्र स्व अनुसूइया ने थाना रैपुरा में सूचना दी थी कि उनका ट्रक भौरी गांव में राजनारायण मिश्रा के डंप की दुकान में खड़ा था। जिसे अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया है। इस सूचना पर थाना में रैपुरा मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने घटना को संज्ञान लेते हुए थानाध्यक्ष रैपुरा को घटना के अनावरण के लिए निर्देशित किया। थानाध्यक्ष रैपुरा शैलेन्द्रचन्द्र पाण्डेय ने मुकदमें की विवेचना उप निरीक्षक रमेश सिंह यादव को सौंपी।

पेरिस में राहुल गांधी बोले

भारत के संविधान में लिखा है:इंडिया यानि भारत-राहुल

पेरिस/ एजेंसी

अंग्रेजी में भी इंडिया की जगह भारत शब्द के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच जारी विवादों के संदर्भ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि संविधान में देश के नाम के बारे में लिखा है 'इंडिया, यानि भारत राज्यों का एक संघ होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी आवाज को दबाया या धमकाया नहीं जाए। फ्रांस की राजधानी पेरिस में साइंसेज पो विश्वविद्यालय में छात्रों और संकाय के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमारे संविधान में, भारत को 'इंडिया, यानि भारत- राज्यों का एक संघ' के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए, ये राज्य एक साथ आकर इंडिया या भारत बने हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन राज्यों में शामिल सभी लोगों की आवाज़ जोर से और स्पष्ट रूप से सुनी जाती है और किसी भी आवाज को कुचला या धमकाया नहीं जाता है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार हमारे गठबंधन के नाम से चिढ़ गई है। अब, उन्होंने देश का नाम बदलने का फैसला किया है। लोग अजीब तरीके से व्यवहार करते हैं। केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद ने कहा, मेरा अनुभव यह है कि चाहे लोग गरीब हों या अमीर, उन्हें इस बात की समझ है।

एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा राजस्थान के टोंक जिले में एक सार्वजनिक रैली के दौरान समर्थकों के साथ बातचीत करती हुई।

बोले-बीजेपी को बाहर फेंकने की जरूरत

उदयनिधि ने अब बीजेपी को बताया गया जहरीला सांप....

चेन्नई/ एजेंसी

सनातन धर्म पर विवादित कमेंट करने के बाद तमिलनाडु सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने विरोधी पार्टियों पर निशाना साधा है। उदयनिधि ने बीजेपी की तुलना जहरीले सांप से की। साथ ही उनके सहयोगी दल एआईएडीएमके को कूड़े का ढेर कहा। उदयनिधि रविवार को कुड्डालोर जिले के नेवेली में डीएमके विधायक सभा राजेंद्रन की पारिवारिक शादी में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, कचरे में से सांप हमारे घर में घुस जाता है। अगर हमें सांप को खत्म करना है, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई कचरा न हो। 2024 चुनाव में तमिलनाडु से भाजपा और एआईएडीएमके को बाहर कर देना चाहिए। सनातन धर्म विवाद पर उदयनिधि ने कहा कि वह भविष्य में भी इसके खिलाफ बोलते रहेंगे। उन्होंने कहा, तमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। हम अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि सनातन पर उनकी टिप्पणी नई नहीं है। उदयनिधि ने कहा, अतीत में कई मौकों पर, बी आर अंबेडकर, पेरियार डीके संस्थापक ई वी रामासामी और एम करुणानिधि पूर्व डीएमके संरक्षक ने इसके बारे में बात की थी। उदयनिधि ने आगे कहा, सनातन धर्म के कड़े विरोध के कारण ही महिलाएँ घर से बाहर निकल सकीं।

शाह, नड्डा ने जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता पर पीएम मोदी को बधाई दी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने रविवार को जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। गृहमंत्री ने एक्स पूर्व में ट्विटर पर लिखा, हमारे जी20 अध्यक्ष पद की ऐतिहासिक सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को मेरी हार्दिक बधाई। चाहे वह नई दिल्ली के नेताओं की घोषणा को अपनाना हो या अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करना हो, शिखर सम्मेलन ने भू-राजनीतिक के बीच विश्वास का पुल बनाया है। यह क्षेत्र मोदी जी के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के दृष्टिकोण पर खरा उतर रहा है।

सनातन धर्म का अपमान करने की कोशिश हुई

राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे चुप बैठे हैं- अनुराग ठाकुर....

नागपुर । एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार (11 सितंबर) को एक बार फिर सनातन धर्म पर हमले को लेकर विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का अपमान करने का प्रयास किया जा रहा है और राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे चुप हैं। मंत्री ने दावा किया, विपक्ष सनातन धर्म का अपमान करने तक ही सीमित है। यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है और सनातन धर्म का अपमान करने के एक के बाद एक प्रयास जारी हैं। बीजेपी नेता की यह टिप्पणी उस राजनीतिक विवाद के बीच आई है जब डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने लोगों के बीच विभाजन और भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए सनातन धर्म को जिम्मेदार ठहराया। इसके साथ ही उदयनिधि ने सनातन की तुलना डेंगू, मच्छर, मलेरिया या कोरोना से करते हुए इसे खत्म करने की बात कही थी। इसके अलावा डीएमके नेता ए राजा ने भी सनातन धर्म की तुलना कुष्ठ रोग और एचआईवी जैसी बीमारियों से की थी। सनातन विवाद के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने उपनिषद और भगवद गीता पढ़ी है और बीजेपी जो करती है उसमें कुछ भी हिंदू नहीं है। राहुल के इस बयान पर अनुराग ठाकुर से कहा, विपक्ष को सनातन धर्म के अपमान पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। वहीं, इंडिया बनाम भारत पर हो रही बहस पर राहुल गांधी की टिप्पणियों के बारे में पूछे।

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के सदस्यों को राहत

मणिपुर पुलिस को कार्रवाई करने के निर्देश:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एडिटर्स गिल्ड ऑफइंडिया के चार सदस्यों के खिलाफ मणिपुर में दर्ज दो मामले में गिरफ्तारी से सुरक्षा बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर पुलिस से एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के सदस्यों के खिलाफ दर्ज मामले के संबंध कोई सख्त नहीं उठाने का निर्देश दिया है। बता दें कि चार सदस्यों के खिलाफ मणिपुर में दो मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों में कार्रवाई को लेकर उन्होंने सुरक्षा की मांग की थी। डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की याचिका पर छह सितंबर को पारित आदेश के लागू रहने की अवधि शुक्रवार तक बढ़ाती है। इस मामले

में आगे सुनवाई शुक्रवार से होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में मणिपुर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि एडिटर्स गिल्ड ऑफइंडिया के सदस्यों को कुछ और समय के लिए सुरक्षा प्रदान की जा सकती है और इस मामले को अन्य मामलों की तरह मणिपुर हाई कोर्ट में भेजा जाए।

कांग्रेस प्रत्याशियों को लेकर नए सिरे से पैनल

छत्तीसगढ़ में 14 विधायकों-2 मंत्रियों के टिकट खतरे में-सीएम हाउस में देर रात तक बैठक.....

रायपुर/ संवाददाता

कांग्रेस में प्रत्याशी चयन को लेकर लगातार बैठकें चल रही है। सीएम हाउस में रविवार को फिर बैठक रखी गई। जिसमें प्रत्याशी चयन को लेकर पैनल तैयार करने के लिए पार्टी के नेताओं के बीच देर रात तक चर्चा चलती रही। बैठक में तय हो गया है कि मंत्रियों की टिकट नहीं काटी जाएगी। हालांकि सूत्रों के मुताबिक दो मंत्रियों को लेकर अब भी संशय की स्थिति है, वहीं 14 विधायकों की टिकट भी खतरे में है। बैठक में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज और विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत के बीच चर्चा हुई। इस दौरान बस्तर और बिलासपुर संभाग की सीटों को लेकर पैनल तैयार करने की प्रक्रिया देर रात तक चली। इस दौरान विशेष तौर पर कांकेर, जगदलपुर, नारायणपुर, बिल्हा, तखतपुर और सरगुजा संभाग के सामरी की सीटों में प्रत्याशी चयन को लेकर चर्चा की गई। संभागों की अलग-अलग विधानसभा सीटों को लेकर वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों से भी दावेदारों को लेकर फीडबैक लिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक संभागवार चर्चा के लिए कई पदाधिकारियों को सीधे सीएम हाउस बुलाया गया था। जानकारी के मुताबिक बस्तर और

बिलासपुर संभाग की सीटों पर तैयार पैनल को लेकर नए सिरे से चर्चा की गई। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में कई जगहों से सिंगल नामों का पैनल था, लेकिन दिल्ली की सर्वे रिपोर्ट और यहां की रिपोर्ट में काफी अंतर पाया गया। कहा जा रहा है कि 14 ऐसे विधायक जिनकी सर्वे रिपोर्ट खराब आई है, उनमें से कुछ के नामों के सिंगल पैनल ही थे। वहीं जिन दो मंत्रियों की टिकट काटने की बात सामने आ रही थी, उन्हें दूसरे सीटों में मैनेज करने की कवायद भी चल रही है। स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन ने वरिष्ठ नेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि तैयार किए जा रहे नए पैनल के साथ किसी भी सीट में सिर्फसत्ता-संगठन की गोपनीय रिपोर्ट और स्थानीय स्तर पर मिले फीडबैक को ही मद्देनजर रखा जाएगा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी 21 सितम्बर को भिलाई में महिला सम्मेलन आयोजित महिला सम्मेलन में शामिल होने पहुंच रही है। बीती रात हुई बैठक में प्रियंका के दौरे को लेकर भी वरिष्ठ नेताओं के बीच चर्चा हुई।

चुनौतीपूर्ण कार्य करना चाहते हैं तो एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर के रूप में चुनें करियर

यदि आप आसमानी ट्रैफ़िक को सुरक्षित रखने में रुचि रखते हैं और हवाई यातायात की गति पर नज़र रखने का चुनौतीपूर्ण कार्य करना चाहते हैं, तो एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी के रूप में करियर विकल्प चुन सकते हैं। एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी टकराव को रोकने के लिए और यातायात की भीड़ से उत्पन्न होने वाली देरी को कम करने के लिए स्थापित प्रक्रियाओं और नीतियों के अनुसार हवाई अड्डे के आसपास और भीतर हवाई यातायात को नियंत्रित करते हैं।

एक हवाई यातायात नियंत्रक हवाई यातायात के सुरक्षित, व्यवस्थित और कुशल आवागमन के लिए और हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्र में जिम्मेदार होता है। नियंत्रकों के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, लेकिन वे विमानों को भी आसानी से निर्देशित करते हैं ताकि देरी को कम किया जा सके, नामित हवाई अड्डों के माध्यम से हवाई अड्डे के यातायात को विनियमित किया जा सके और हवाई अड्डे के आगमन और प्रस्थान को विनियमित किया जा सके।
बहुत व्यस्त हवाई अड्डों में, हवा नियंत्रकों और जमीन नियंत्रकों के बीच काम विभाजित है। लैंडिंग के दौरान एयर नियंत्रक विमान का मार्गदर्शन करते हैं, जबकि ग्राउंड कंट्रोलर रनवे पर विमानों का प्रबंधन करते हैं, पार्किंग स्टैंड और होल्डिंग क्षेत्रों से विमानों को टैक्सी के रूप में निर्देश जारी करते हैं।

वायु यातायात नियंत्रकों की भूमिका

- आने और प्रस्थान करने वाले विमानों से रेडियो कॉल करना।
- लैंडिंग और टेक-ऑफ निर्देश और सूचना जारी करना।
- टेलीफोन या अंतर-फोन का उपयोग करके, हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र से आने वाली उड़ानों के नियंत्रण को स्वीकार करने के लिए उड़ानों को स्थानांतरित करने पर नियंत्रण रखना।
- हवाईअड्डे के आपातकालीन कर्मचारियों और अन्य नामित कर्मियों को अलर्ट करते रहना, जब हवाई जहाज को उड़ान में कठिनाई होती है।
- एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी रेडियो का संचालन करता है और हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में काम करने वाले विमानों को नियंत्रित करने के लिए रडार की निगरानी करता है।

वायु यातायात नियंत्रकों के कौशल

संचार कौशल - जब पायलट निर्देशों के लिए नियंत्रण टॉवर से संपर्क करते हैं, तो हवाई यातायात नियंत्रकों को उनके अनुरोधों को ध्यान से सुनना चाहिए और स्पष्ट रूप से बोलकर जवाब देना चाहिए।
एकाग्रता कौशल और सतर्कता - वायु यातायात नियंत्रकों के लिए एकाग्रता कौशल और सतर्कता हर समय काम आती है। उन्हें अपने कार्य में एकाग्रता रखनी चाहिए।
निर्णय लेने का कौशल - नियंत्रकों को शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। कई बार आपातकालीन स्थिति में उन्हें निर्णय लेने में देरी नहीं करनी चाहिए।
मल्टीटास्किंग स्किल्स - कंट्रोलर को कई फ्लाइट्स की क्रियाओं को समन्वित करने में सक्षम होना चाहिए। उन्हें एक साथ कई कामों को करना आना चाहिए।
समस्या-समाधान कौशल - नियंत्रकों को जटिल परिस्थितियों को समझने और महत्वपूर्ण जानकारी की समीक्षा करने और पायलटों को एक उचित समाधान प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए।

कार्य सारिणी

अधिकांश हवाई यातायात नियंत्रक पूरे समय काम करते हैं, और कुछ को अतिरिक्त घंटे काम करना चाहिए। क्योंकि अधिकांश नियंत्रण टॉवर और मार्ग केंद्र घड़ी के चारों ओर संचालित होते हैं, नियंत्रक दिन, शाम और रात के बीच पारियों को घुमाते हैं। कंट्रोलर सप्ताहांत और छुट्टी की पाली में भी काम करते हैं।

एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी की करियर संभावनाएं

एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी एयरपोर्ट कंट्रोल ऑपरेटर, कंट्रोल टॉवर रेडियो ऑपरेटर, फ्लाइट कंट्रोल टॉवर ऑपरेटर, एयर ट्रैफिक कंट्रोल स्पेशलिस्ट (एटीसीएस), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर, सर्टिफाइड प्रोफेशनल कंट्रोलर (सीपीसी), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एनरूट ऑप्शन), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (टॉवर ऑप्शन) आदि रुपों में काम कर सकते हैं।

12वीं के बाद करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स, कॅरियर ग्रोथ के साथ मिलेगा लाखों का पैकेज

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं। बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।
वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022-23 में यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना 13 से 15 लाक तक का भी पैकेज उठा सकते हैं। बता दें कि गेम प्रोड्यूसर इस फील्ड में सालाना 10 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

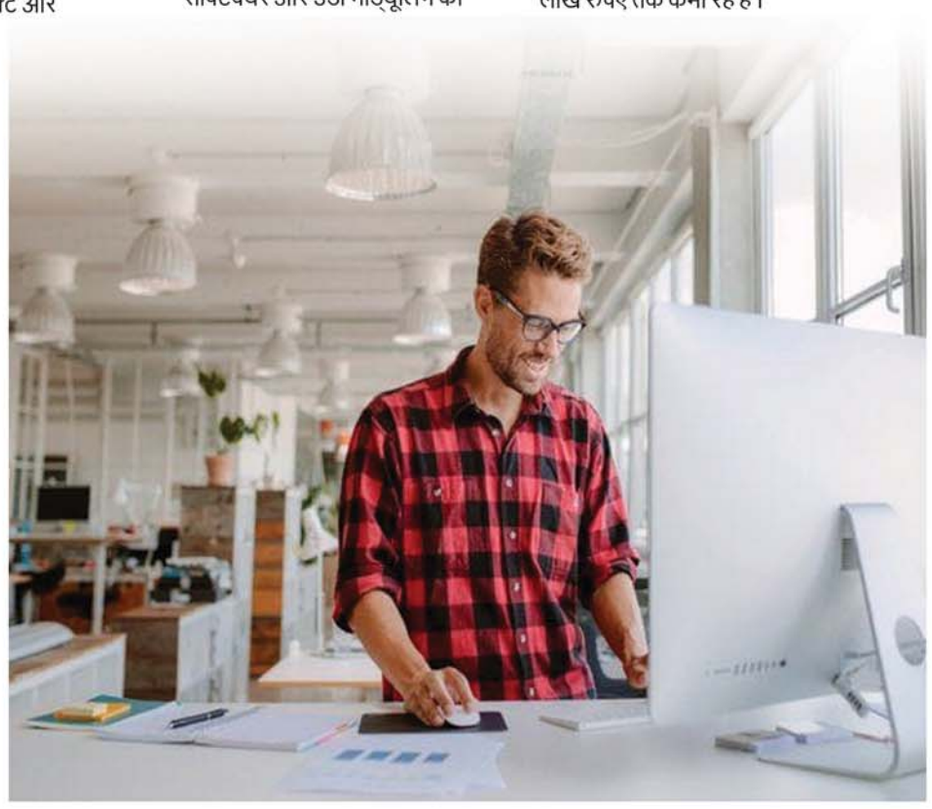

कैसे बनते हैं डॉक्टर?

रोल, योग्यता और सैलरी

डॉक्टर बनना निस्संदेह सबसे अधिक मांग वाले प्रोफेशन में से एक है। डॉक्टरों की मांग न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में है। यह पेशा न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि डॉक्टरों की तरफ से समाज में दिए गए योगदान के कारण महान माना जाता है। भारत में एमबीबीएस की डिग्री अक्सर पेशे से संबंधित होती है, लेकिन एक मेडिकल प्रैक्टिशनर बनने के लिए इस कोर्स को करने के अलावा और भी बहुत कुछ जरूरी है.....

भारत में वर्तमान में क्या है डॉक्टरों की स्थिति

भारत में सरकारी और निजी दोनों संस्थान/विश्वविद्यालय हैं, जो एमबीबीएस कराते हैं। देश में इस समय एमबीबीएस की सीटों की कुल संख्या 1,07000 से कुछ अधिक है। वहीं, इन सीटों पर प्रवेश के लिए लगभग हर वर्ष 20 लाख छात्र NEET UG परीक्षा देते हैं। हालांकि, सिर्फ 5 प्रतिशत अभ्यर्थियों को ही क्वालिफाई किया जाता है।

क्या है एडमिशन का नियम

नीट यूजी परीक्षा पास करने के बाद अभ्यर्थियों मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित राज्य की अथॉरिटी की तरफ से आयोजित होने वाली काउंसलिंग में भाग लेना होता है। क्योंकि राज्य कोटे की सीटों पर राज्य अथॉरिटी की तरफ से एडमिशन दिया जाता है। जबकि केंद्र कोटे की सीटों पर एमसीसी की तरफ से काउंसलिंग आयोजित की जाती है। एमबीबीएस भारत में 5.5 वर्ष का है, जिसमें 4.5 वर्ष का पाठ्यक्रम और एक वर्ष की इंटर्नशिप शामिल है।

यूजी के बाद स्पेशलाइजेशन के लिए कर सकते हैं पीजी की पढ़ाई?

पेशे की प्रकृति के कारण (चूंकि एक डॉक्टर को कौशल और ज्ञान को बढ़ाने और उन्नत करने की आवश्यकता होती है) एमबीबीएस के बाद स्पेशलाइजेशन के लिए पोस्टग्रेजुएशन किया जा सकता है। एमबीबीएस के बाद विशेषज्ञता पाठ्यक्रमों में एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन), एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी) और विभिन्न विशेषज्ञता में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल हैं।

एम्स जैसे संस्थानों में पीजी के लिए देना होता है ये एग्जाम

एम्स दिल्ली जैसे भारत के कुछ पुराने कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए INICET (राष्ट्रीय महत्व संस्थान सामान्य प्रवेश परीक्षा) आयोजित करता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली पीजी पाठ्यक्रमों जैसे मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस), डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी), मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी (एमडीएस), डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। हर वर्ष करीब 2 लाख छात्र NEET PG और INICET देते हैं। सफल होने वाले छात्रों को 60,000 PG सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। वहीं, पीजी के बाद सर्जरी आदि में स्पेशलाइजेशन के लिए स्टूडेंट्स नीट एसएस आदि का एग्जाम दे सकते हैं।

सैलरी

MBBS, एमडी और सुपरस्पेशियलिटी के डॉक्टरों को लाखों रुपये की सैलरी दी जाती है। हालांकि, प्रैक्टिस के लिए उन्हें FMGE का एग्जाम देना होता है। क्योंकि प्रैक्टिस के लिए इस परीक्षा को पास करना जरूरी होता है।

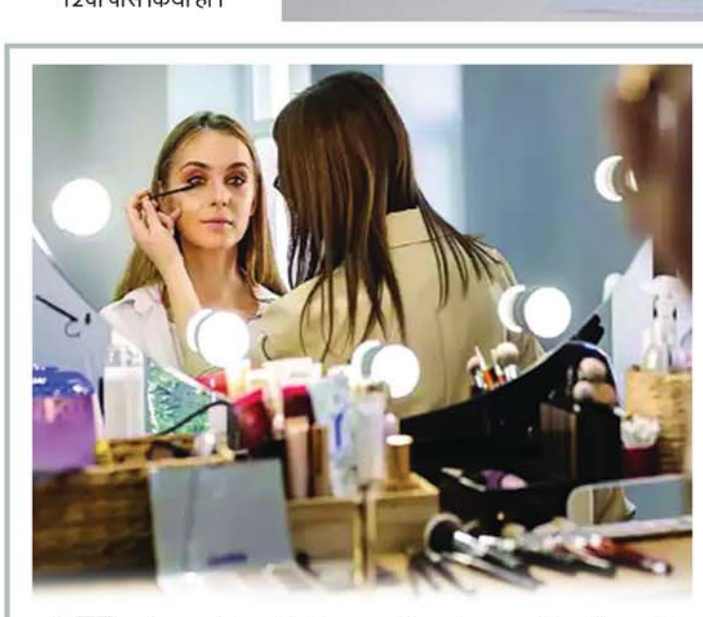

बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनाएं अपना भविष्य

अगर आप भी खुद को और दूसरों को खूबसूरत बनाने में रूचि रखते हैं तो बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना भविष्य देख सकते हैं।

आज के समय में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है, चाहे वह महिला हो या फिर पुरूष। सुंदरता बढ़ाने के लिए लोग मेकअप पर निर्भर हैं। घर से बाहर शायद ही कोई महिला बिना मेकअप के निकलती है। मेकअप के इस दौर को सबसे ज्यादा बढ़ावा दिया है, टेलीविजन, फिल्म और फैशन इंडस्ट्री ने। इनके कारण पहले जहां सिर्फ महिलाएं ही मेकअप करती नजर आती थी, वहीं अब पुरूष भी इनसे पीछे नहीं हैं। इन सभी को खूबसूरत बनाने का काम करते हैं मेकअप आर्टिस्ट। मेकअप आर्टिस्ट ही वह व्यक्ति होता है जो किसी भी आर्टिस्ट को उसके किरदार में ढालने में एक अहम भूमिका निभाता है।

मेकअप आर्टिस्ट का कार्य

किसी भी चेहरे को सुंदर बनाना मेकअप आर्टिस्ट का मुख्य कार्य होता है। मेकअप आर्टिस्ट यह पता लगाता है कि किसी के चेहरे के अनुसार उस पर कैसा मेकअप सूट करेगा, वो व्यक्ति कैसे सुंदर लगेगा। ये सारा काम मेकअप आर्टिस्ट का होता है। फिल्मों और टीवी सीरियल में आपने देखा होगा कि कैसे एक सामान्य सी दिखने वाली लड़की बहुत सुंदर दिखने लगती है। ये सब मेकअप आर्टिस्ट का ही कमाल होता है। लड़कियों की तरह ही लड़कों का भी मेकअप होता है, जिससे वह ज्यादा स्मार्ट दिखें।

किस तरह का करें कोर्स

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए बुहत ज्यादा पढ़ाई की जरूरत नहीं पड़ती है, लेकिन इस क्षेत्र में महरत हासिल करने के लिए कोर्स की जरूरत पड़ती है, क्योंकि मेकअप किसी व्यक्ति की स्किन से जुड़ा मामला है, आपने कोई प्रॉडक्ट उस व्यक्ति पर लगाया और वो खराब हुआ तो उसकी स्किन हमेशा के लिए खराब हो सकती है। ऐसे में आपको मेकअप आर्टिस्ट से जुड़ा कोर्स जरूर करना चाहिए। जिसमे आप मेकअप और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट से जुड़ी बारीकियों को समझ सके। इसके लिए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शामिल हैं। इसमें दाखिला आप 12वीं के बाद ले सकते हैं। इन कोर्स में उम्र की कोई सीमा नहीं होती है।

इन स्किल्स की जरूरत

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव माइंड होना बेहद आवश्यक है, जिससे आप अपने क्लाइंट की पर्सनैलिटी के अनुरूप मेकअप कर पाएं। हर चेहरा एक जैसा नहीं होता। इतना ही नहीं, जो व्यक्ति क्लाइंट की डिमांड और मौके के हिसाब से परफेक्ट मेकअप कर पाने में सक्षम होता है, उसे इस क्षेत्र में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही एक मेकअप आर्टिस्ट को हर स्टाइल और गेटअप के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए आपको लेटेस्ट मेकअप ट्रेंड के बारे में हमेशा रिसर्च करती रहनी चाहिए। इतना ही नहीं, उसे अपने टूल्स, प्रॉडक्टस व उन्हें इस्तेमाल करने के बारे में भी सही तरह से पता होना चाहिए। एक मेकअप आर्टिस्ट को पब्लिक डील भी करना होता है, इसलिए आपका कम्यूनिकेशन लेवल भी बढ़िया होना चाहिए।

करियर कहां बनाए

आप इस फील्ड में कई जगह करियर बना सकते हैं। अगर आप अपने काम में एक्सपर्ट हैं तो फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम कर प्रतिमाह लाखों रुपए कमा सकते हैं। बड़े- बड़े एक्टर्स को पर्सनल मेकअप आर्टिस्ट की तलाश होती है। इसके अलावा आप टीवी चैनल, प्रॉडक्शन हाउस, फैशन इंडस्ट्री में नौकरी की तलाश कर सकते हैं। यहां भी मेकअप आर्टिस्ट की काफी ज्यादा जरूरत होती है। अगर आप किसी के अधीन नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो आप खुद भी मेकअप का काम शुरू कर सकते हैं।

कितनी होगी सैलरी

मेकअप आर्टिस्ट की सैलरी आपके कार्य, कार्य स्थल और अनुभव पर निर्भर करता है। अगर आप फिल्मों, टीवी धारावाहिकों और अन्य स्थानों में कार्य कर रहे हैं तो प्रतिमाह लाखों रूपए कमा सकते हैं, वहीं अपना रोजगार शुरू करके भी अच्दा पैसा कमा सकते हैं।

सार-समाचार

प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे जिले के पत्रकार साथी एवं स्कूली बच्चे

सूरजपुर :- क्षेत्र के मिलनसार व्यक्तित्व के धनी रमेश गिरी का सुपुत्र गणेश गिरी का आज प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि देने पहुंचे जिले के पत्रकार साथी। उनके परिवार जनों से मिलकर गणेश कुमार के दुखद निधन धैर्य, धीरज रखने को कहा। कुमार गणेश का वर्ष भर पहले निधन हो गये थे समीप के स्कूली बच्चे उनके पलक सहित पहुंचे थे उन सभी ने उस बालक के लिए विनम्र भाव से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किए।

देशहा यादव समाज के अध्यक्ष बने- कृष्ण कुमार

बिलासपुरः- खारंग क्षेत्रीय देशहा यादव समाज सीपत-बेलतरा की बैठक रविवार को मां सतीदाई परिसर उच्चभठ्ठी में रखी गई जिसमें जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव जिला कोषाध्यक्ष अभिलेश यादव के मार्गदर्शन में सीपत बेलतरा ईकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमे मटियारी से कृष्ण कुमार यादव को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष बेलतरा से अमित यादव, पांडेपुर से सुधाराम यादव, सीपत से संतोष यादव, मोहरा से जगन्नाथ यादव, नेवसा से गौरीशंकर यादव को सचिव कर्रा से दीपक कुमार यादव सहसचिव उच्चभठ्ठी से तिलक यादव पंधी से लव यादव प्रवक्ता बेलतरा से रवि कुमार यादव भिलमी से लक्ष्मी यादव बाम्हू से दरशराम यादव व गुड़ी से सुरेश यादव को मीडिया प्रभारी चुना गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने मिले दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए समाजहित में कार्य करने की बात कही। जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव व जिला कोषाध्यक्ष अभिलेश यादव ने कहा कि एकजुटता के बल पर ही समाज का विकास संभव है।

स्वीप के तहत शैक्षणिक संस्थानों में होगा पोस्टकार्ड अभियान

बिलासपुरः- 11 सितंबर 2023 को जिला प्रशासन द्वारा स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी महाविद्यालयों एवं शालाओं में 21 सितंबर को पोस्टकार्ड एवं पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान में संस्था के छात्र-छात्राएँ अपने माता-पिता को आगामी विधानसभा चुनाव में अनिवार्य रूप से मतदान करने हेतु पोस्टकार्ड एवं पत्र लेखन लिखेंगे। उक्त पत्र लेखन पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा अपने माता-पिता को घर जाकर यह पोस्टकार्ड सौपेंगे एवं माता-पिता से मताधिकार के प्रयोग के संबंध में शपथ पत्र प्राप्त करेंगे। मतदाता जागरूकता हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में पुरस्कार की विभिन्न श्रेणियाँ निर्धारित की गई है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ पोस्टकार्ड लेखन वाली संस्थाओं, सर्वाधिक शपथ पत्र उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं, कार्यक्रम की सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफ्स एवं सर्वश्रेष्ठ वीडियोग्राफी, सर्वश्रेष्ठ मीडिया कवरेज एवं सोशल मीडिया में अपलोड किए गए सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफ्स और वीडियो के लिए पुरस्कार दिये जाएंगे।

रेत खदानों के आबंटन हेतु आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

बिलासपुर :- जिला बिलासपुर अंतर्गत तहसील बिलासपुर, ग्राम पंचायत / ग्राम लोफंदी के खसरा नंबर 01 रकबा 20 हेक्टेयर, ग्राम पंचायत / ग्राम कछार खसरा नंबर 1344 रकबा 10 हेक्टयेर तथा तहसील मस्तूरी, ग्राम पंचायत / ग्राम कुकुरदींकला खसरा नंबर 678 / 1 रकबा 11 हेक्टेयर क्षेत्र पर रेत खदान समूहों का आबंटन नये नियमों के तहत 05 वर्षो की अवधि हेतु बंद लिफाफा में नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) हेतु बोली प्रस्तुत करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है। पूर्व में निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 11.09.2023 से 19.09.2023 तक रखा गया था। दिनांक 19.09.2023 को गणेश चतुर्थी का स्थानीय अवकाश घोषित किये जाने के कारण उक्त तिथि को संशोधित कर दिनांक 20.09.2023 को प्रातः 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक बोली स्वीकार की जावेगी। रेत खदान आबंटन हेतु प्राप्त बंद लिफाफे को जिला स्तरीय समिति के समक्ष दिनांक 22.09.2023 को सुबह 10.30 बजे से मंथन सभाकक्ष कलेक्ट्रेट परिसर बिलासपुर में खोला जावेगा। उक्त नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के तहत की जा रही है, जिसमें एक से अधिक बोलीदारों द्वारा समान न्यूनतम बोली होने की स्थिति में सफल बोलीदार का चयन लॉटरी पद्धति द्वारा किया जावेगा।

मतदाता जागरूकता का दिया संदेश, शत प्रतिशत मतदान बिलासपुर का अभिमान नारों से गूंज उठा शहर

तृतीय लिंग समुदाय और दिव्यांगजनों की शहर में निकली रैली

कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी, रैली की अगुवाई कर मतदान के लिए किया प्रोत्साहित

दूर तलक जाएगी मतदाता जागरूकता रैली की यह अनुगूंज

बिलासपुर :- 11 सितम्बर 2023 को लोकतंत्र के पर्व चुनाव के लिए मतदाताओं को जागरूक करने शहर में आज दिव्यांगजनों और तृतीय लिंग समुदाय के नागरिकों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं रैली में भाग लिया और सभी का हौसला बढ़ाया। शत प्रतिशत मतदान बिलासपुर का अभिमान नारों से पूरा शहर गूंज उठा। इस मतदाता जागरूकता रैली की अनुगूंज निश्चित तौर पर दूर तलक जाएगी। यह रैली जिला कार्यालय से शुरू होकर शासकीय देवकीनंदन कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में समाप्त हुई। इस रैली में जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के नोडल अधिकारी अजय अग्रवाल, दिव्यांग आइकॉन लोक कलाकार श्री लीलाधर भांगे, तृतीय लिंग वर्ग के अध्यक्ष विजय अरोड़ा, बड़ी संख्या में दिव्यांगों और तृतीय लिंग समुदाय के लोगों ने भी भाग लिया।

रैली के पश्चात् आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने कहा कि हम अपने अधिकारों के प्रति तो सजग रहते हैं लेकिन अपने कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं रहते हैं। मतदान हमारा अधिकार और कर्तव्य दोनों है। पांच सालों में यह दुर्लभ अवसर हमें मिलता है। उन्होंने सभी से अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील करते हुए अपने आस-पास के लोगों को भी प्रेरित करने कहा। जिले में मतदान का शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी शैक्षणिक संस्थाएं यह सुनिश्चित करें कि जो भी विद्यार्थी 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वो मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जुड़वाएं। साथ ही जिले के आदर्श आइकॉन, सामाजिक संगठन एवं तृतीय लिंग समुदाय भी इस कार्य में अपनी अधिक से अधिक सहभागिता निभाएं। आज मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अंतिम दिन है। आप सभी लोगों के प्रयासों से हम अवश्य शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे। कलेक्टर ने सभी को मतदाता शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के नोडल अधिकारी श्री अजय अग्रवाल ने सभी को मतदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वीप के तहत शत-प्रतिशत मतदान-बिलासपुर का अभिमान के लिए निकाली गई रैली में भाग लेने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों और समाज कल्याण विभाग के कला पथक दल ने मतदाता जागरूकता गीत की सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का सफल संचालन आरजे सुश्री फिज़ा और संस्कृति ने किया। इस अवसर पर स्वीप प्रभारी ओम पांडेय, समाज कल्याण विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती श्रद्धा मैथ्यू एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

अपर कलेक्टर ने टीम के साथ पंजीयन कार्यालय में दी दबिश

स्टांप की मुनाफाखोरी करते रंगे हाथ पकड़ाया वेंडर

बिलासपरः- 12 सितंबर को कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संजीव कुमार झा के निर्देश पर जिले के नव नियुक्त अतिरिक्त कलेक्टर शिव कुमार बनर्जी द्वारा आज संयुक्त परिसर भवन , बिलासपुर स्थाई पंजीयन कार्यालय परिसर में स्टाम्प की कालाबाज़ारी व अवैध वसूली तथा शुल्क लेने की शिकायत पर अतिरिक्त तहसीलदार शशिभूषण सोनी व उप पंजीयक लक्ष्मी पांडेय की उपस्थिति में आकस्मिक निरीक्षण कर छापामारी की कार्रवाई की गई। जिसमें सर्वप्रथम ग्राहक बनकर स्टाम्प वेंडरों से स्टाम्प की खरीदी की गई व प्राप्त शिकायतों की पुष्टि की गई। शिकायत सही पाए जाने पर मौके पर ही स्टाम्प वेंडर राजेश कुमार यादव के विरुद्ध पंचनामा , साक्ष्य सहित बिक्री पंजी के जब्ती की गई। जिसमें लगभग 3.25 लाख रुपये के स्टांप को आगामी आदेश तक बिना सक्षम अधिकारी के अनुमति बगैर विक्रय पर रोक लगाने सहित स्टॉक पंजी प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिए गए। विदित हो कि शासकीय मूल्य पर स्टाम्प में 2 प्रतिशत का सेवा शुल्क स्टाम्प वेंडरों को दिया जाता है जबकि स्टाम्प वेंडरों द्वारा अनधिकृत रूप से अवैध वसूली करते हुए सभी स्टाम्प हेतु निर्धारित मूल्य की तुलना में 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क पर स्टाम्प उपलब्ध कराया जाता है ।जिसमे मौके पर परीक्षण में अतिरिक्त तहसीलदार को 100 रुपये का स्टाम्प 150 रुपये में बेचे जाने पर मौके पर ही शिकायत की पुष्टि की गई। पूरे जांच के दरमियान स्टाम्प वेंडर के सहयोगी शेख अरमान व विनोद साहू उपस्थित रहकर उक्त शिकायत की बतौर साक्ष्य पुष्टि किये। इस दरमियान अनधिकृत स्टाम्प की जब्ती भी की गई । जांच में सहयोग हेतु कुदुदंड पटवारी नितेन्द्र सिंह तोमर व जरहाभाठा पटवारी दीपक कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा स्वयं पंचनामकर्ता बनकर मौके पर ही स्वयं उपस्थित रहकर साक्ष्य व जब्ती की कार्यवाही से अवैध कार्य करने वालों में भय व्यप्त हुआ है। वही कलेक्टर द्वारा कठोर कार्यवाही करते हुए स्टाम्प की खरीदी के सरलीकरण हेतु पहल पर विचार किया जाकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे है।

जल जीवन मिशन योजना के कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे सेक्टर एक्सपर्ट

कार्यों के प्रगति के संबंध में ग्रामीणों से की विस्तृत चर्चा

ग्राम जल स्वच्छता समिति को दिए आवश्यक निर्देश

बिलासपुरः- 11 सितम्बर 2023 को जिले में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने के लिए राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के सेक्टर एक्सपर्ट डॉ. एसके कुलश्रेष्ठ एवं डॉ. शिशिर बसेर विकासखण्ड तखतपुर के ग्राम मोढ़े, पण्डाकांपा, चनाडोंगरी एवं समडील के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने कार्यों के प्रगति के संबंध में ग्रामवासियों से विस्तृत जानकारी ली गई। निर्माणाधीन पानी टंकी एवं निर्मित एफएचटीसी का निरीक्षण किया गया। जल बहनियों से जल गुणवत्ता के संबंध में जानकारी तथा ग्राम पंचायत विद्यमान फिल्ड टेस्ट किट से मौके पर जल गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। योजना के कार्य पूर्ण होने के उपरांत योजना के सफल संचालन संधारण हेतु ग्राम जल स्वच्छता समिति को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यपालन अभियंता यूके राठिया, एसडीओ अरूण भार्गव, सब इंजीनियर एसपी साकेस, पीएन मिश्रा, केमस्टि आशीष डोंगरे, जिला समन्वयक आशीष सिंह ठाकुर, आईएसए के प्रतिनिधि गोविंद चंद्राकर उत्पल एवं टीपीआई ग्रीन डिजाईन से सुनील खरे उपस्थित थे।

जहरीली शराब के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

एम सी बी (चिरमिरी)--जिला भाजपा महिला मोर्चा द्वारा प्रदेश संगठन के आह्वान पर प्रदेश मे बिगत तीन माह से हो रहे जहरीले शराब के सेवन से काल कलवित हो रहे है लोगों के मौत का जिम्मेदार कांग्रेस को बताया है 7प्रदेश मे जहरीली शराब पीने से 2 लोगों की मौत के लिये प्रदेश की कांग्रेस सरकार को कसूरवार ठहराते हुए एमसी जिला महिला मोर्चा द्वारा मनेन्द्रगढ़ तहसील कार्यालय के समक्ष एकत्रित हो भूपेश बघेल मुर्दाबाद, गगन भेदी नराओ के साथ सभी बहने एवं भाजपा के कार्यकर्ता बंधु रैली निकाल कर आबकारी कार्यालय के समक्ष पहुंच धरना व प्रदर्शन किया भाजपा जिलाध्यक्षा प्रतिमा पटवा ने प्रदेश मे जहरीली शराब पीने से 2 लोगों की मौत के लिये प्रदेश की कांग्रेस सरकार को कसूरवार ठहराते हुए कहा कि जहरीली व विषयुक्त शराब पीने से जांजगीर-चाँपा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अमोदा में 2 लोगों की मौत के लिये हजारों करोड़ रुपए का शराब घोटाला करने वाली भूपेश सरकार जिम्मेदार है। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता व नगरपंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरोज यादव ने कही कि विगत 3 माह पूर्व जांजगीर -चम्पा के ग्राम रोगदा में 3 परिवार जहरीली शराब से पूरी तरह उजड़ गये थे। जंहा इन परिवारों के आँसू सूख भी नहीं पाये हैं वंही अब ग्राम अमोदा की यह घटना सामने आयी है। दोनों मृतक किरण कुमार सूर्यवंशी और ललिता सूर्यवंशी अनुसूचित जाति से हैं। दोनों जहरीली शराब के सेवन से असमय काल के गाल में समा गये

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सड़क से लेकर सदन तक कई बार आंदोलन भी हुए, लेकिन दुर्भाग्य है कि प्रदेश की भ्रस्ट और निकम्मी सरकार के संरक्षण में अवैध व जहरीली शराब का धंधा फल फुल रहा हैं

प्रदर्शन के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अनिलकेशरवानी, पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल, वीरेंद्र सिंग राणा, रामलखन सिंग,मुकेश जायसवाल, राहुल सिंग,धर्मेंद्र पटवा,आलोक जायसवाल, मनीष सिंग,चंदन सिंग,मनोज केशरवानी, धीरेन्द्रविश्वकर्मा, विनोद गुप्ता, अर्जुन सोनी, मुकेश सोनी, रामरतन् चौधरी , अभजीत बड़जात्या, जिला भाजपा महिला मोर्चा के समस्त मंडल की बहनो में कविता दीवान,सुनीता सिंग,जया कर,मुनमुन जैन,कोमल पटेल,रेनू पाण्डेय,उषा वैष्णव ,प्रवीण सिंग,गीता देवी,मीरा यादव,हेमा सोनवानी, नमर्दा उपाध्याय, प्रतिमा बढ़ात्या,गौरी हथगेन रेखा बोरल,मीनू सिंह ,शांति देवी,उर्मिला राव, गीता पासी,सुषमा देवी,मंजू देवी,नीतू सिंग आदि सैकड़ों कार्यकर्तागण उपस्थित रही।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

नन्दू यादव/सूरजपुर भारत भास्कर

छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पालीटेक्निक एवं आई.टी.आई. आदि के संस्था प्रमुख, प्राचार्य, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है, उनको सुचित किया जाता है कि शिक्षा सत्र 2023-24 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन स्वीकृति एवं वितरण का कार्य ीजजचरूध्ध्चवेजउंजतपब.बीवसंतेीपचण्बहण दपबण्पदध् वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है।

विद्यार्थियों के आवेदन, पंजीयन एवं संस्थाओं के प्रस्ताव, स्वीकृति लॉक करने हेतु विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 में इस प्रकार है। विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर 2023 तक, ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 15 सितंबर से 17 अक्टूबर 2023 तक, सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने हेतु 15 सितम्बर से 20 अक्टूबर 2023 तक, अशासकीय संस्थाओं को समस्त दस्तावेज जिला कार्यालय में जमा करने हेतु 18 अक्टूबर तक एवं शासकीय संस्थाओं द्वारा जिला कार्यालय में समस्त दस्तावेज जमा करने हेतु 21 अक्टूबर तक है।

निर्धारित तिथियों के पश्चात् शिक्षा सत्र2023-24 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा एवं ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक तथा सेक्शन आर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वत: जिम्मेदार होंगे।

आकस्मिक मृत्यु के 02 प्रकरणों में 08 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आपदा मृत्यु के 02 प्रकरणों में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत चार-चार लाख रुपए के मान से कुल 08 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृति दी है।

जिले की तहसील अकलतरा के ग्राम नरियरा के श्री प्रियांशु बरेठ की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके पिता श्री नोवेन्द्र कुमार बरेठ और तहसील बलौदा निवासी श्री प्रांजल देवांगन की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके पिता श्री किशोर देवांगन को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्रत्येक प्रकरण में चार-चार लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

जनदर्शन में कुल 135 आवेदन हुए प्राप्त : संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने जनदर्शन में आमजनों की सुनी समस्याएं

जांजगीर चांपा/ कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज अपने कलेक्टोरेट कार्यालय कक्ष में जनदर्शन के माध्यम से आमनागरिको की समस्याएं सुनी। जिले के ग्रामीणजन और आमनागरिक जनदर्शन में अपनी छोटी - बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रख रहे हैं। जिसका जिला प्रशासन द्वारा यथासंभव तेजी से निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 135 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

आज जनदर्शन में जांजगीर के श्री गणेश राम बरेठ द्वारा सेवा पुस्तिका में सुधार कराने, ग्राम केरा निवासी रामफूल मनहर द्वारा आर्थिक सहायता राशि हेतु, विकासखंड नवागढ़ के ग्राम घुठिया निवासी मुंशीदास वैष्णव द्वारा सड़क मरम्मत करवाने, अकलतरा तहसील के ग्राम बम्हनी निवासी उमा डहरिया द्वारा पीएम आवास के तहत योजना का लाभ दिलाने, ग्राम बनाहील निवासी शिवप्रसाद ओगरे द्वारा ई रिक्शा हेतु, तहसील नवागढ़ के ग्राम धाराशिव निवासी नेतराम सतनामी द्वारा राशन कार्ड में मुखिया के नाम में संशोधन करने, तहसील अकलतरा के ग्राम बिरकोनी निवासी प्रहलाद सिंह द्वारा क्षतिपूर्ति की राशि दिलाने, जांजगीर निवासी रोहिणी तरण द्वारा विधवा पेंशन दिलाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। जिस पर कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए उचित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके साथ ही अन्य आवेदको द्वारा नामांतरण, पट्टा दिलाने, प्रधानमंत्री आवास निर्माण, आर्थिक सहायता, रोजगार प्रदाय करने, भूमि सीमांकन, राशनकार्ड, विधवा पेंशन संबंधी कुल 135 आवेदन प्राप्त हुए, कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि शासन के मंशानुरूप आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ तथा शीघ्र निराकरण करने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा कलेक्टोरेट कार्यालय में जिला स्तरीय जनदर्शन का आयोजन प्रत्येक सोमवार को 10.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

'इंडिया' की राजनीति का जवाब भारत से

अजीत द्विवेदी

हम ऐसे समय में रह रहे हैं, जब सब कुछ राजनीति से, राजनीति के लिए और राजनीति द्वारा संचालित है। हर विचार, विमर्श और घटना के केंद्र में राजनीति है। धर्म और भगवान के नाम पर राजनीति है तो देश का नाम भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। तभी जब भारत और इंडिया के नाम की राजनीति शुरू हुई तो हैरानी नहीं हुई। इसकी शुरुआत विपक्षी पार्टियों ने की, जब उन्होंने अपने गठबंधन का नाम 'इंडिया' रखा। इससे पहले इंडिया, इंडियन, नेशनल आदि शब्द पार्टियों के नाम में होते थे लेकिन सीधे सीधे 'इंडिया' नाम रख लेना एक अलग स्तर की राजनीति की शुरुआत थी। भाजपा और नरेंद्र मोदी की राष्ट्रवाद की राजनीति की काट खोज रही विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्र का नाम ही अपना लिया। विपक्षी पार्टियों ने जब इस तरह की राजनीति शुरू की तो उसी समय उनको जवाबी हमले के लिए तैयार हो जाना चाहिए था। जवाबी हमले में भाजपा और उसकी केंद्र सरकार ने सिर्फ इतना किया है कि इंडिया की जगह भारत नाम का इस्तेमाल ज्यादा करना शुरू कर दिय है। संविधान के अनुच्छेद एक में साफ लिखा है- इंडिया जो कि भारत है। इसका मतलब है कि आप कहीं भी इन दोनों में से किसी नाम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसलिए अगर प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा गया या प्राइम मिनिस्टर ऑफ इंडिया की जगह प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत लिखा गया तो इसका यह मतलब नहीं है कि अब देश का नाम इंडिया नहीं रहा। देश का नाम इंडिया भी है और भारत भी है, जिसको जो अच्छा लगे वह उसका इस्तेमाल करे। चूंकि राष्ट्रीय स्वंयसेवक और भाजपा नेता पहले से कहते रहे हैं कि देश का नाम भारत ही होना चाहिए क्योंकि इंडिया विदेशियों का दिया नाम है, इसलिए सरकारी निमंत्रण में इंडिया की जगह भारत लिखे जाते ही सारी विपक्षी पार्टियां कूद कर इसके विरोध में उतर आईं। लेकिन असल में यह न तो संवैधानिक रूप से गलत है और न कानूनी रूप से। हां, यह जरूर है कि इससे राजनीति की गंध आ रही लेकिन वह तो विपक्षी गठबंधन का नाम 'इंडिया' रखने से भी आ रही थी!

हिंदी और अंग्रेजी दोनों में इंडिया को भारत कहे

और लिखे जाने का विरोध करने से पहले यह समझना जरूरी है कि ये दोनों नाम सदियों या सहस्राब्दियों से प्रचलित हैं। इनके अलावा दूसरे नाम भी प्रचलित हैं, जो संविधान में नहीं लिखे गए हैं और जिनका इस्तेमाल आम लोग अपनी सुविधा के हिसाब से करते हैं। 'आर्यावर्त' या 'हिंदुस्तान' नाम संविधान में नहीं हैं, फिर भी व्यापक रूप से इनका प्रचलन है। महान स्वतंत्रता सेनानियों चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह ने 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' का गठन किया था और अंग्रेजों के खिलाफ ऐसी लड़ाई लड़ी, जिसकी मिसाल नहीं है। 'हिंदुस्तान' नाम संविधान में नहीं स्वीकार किया गया। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वह असंवैधानिक या गैरकानूनी हो गया। आज भी हर राष्ट्रीय त्योहार पर 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमारा' बजाया जाता है। ऐसे ही 'आर्यावर्त' भी संविधान में नहीं है लेकिन भारत में लगभग हर हिंदू के घर में किसी भी पूजन के समय जो पहला संकल्प होता है वह 'जद्वितीय परार्धे श्रीश्वेतवाराकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथम चरणे जम्बूद्वीपे भारतखंडे आर्यावर्ततेज' से ही शुरू होता है। बाद में इसमें नगर, स्थान, यजमान के नाम आदि जुड़ते हैं। इसलिए इंडिया को लेकर ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। अगर केंद्र सरकार कानून बना कर इंडिया को असंवैधानिक या गैरकानूनी न घोषित कर दे तो यह नाम भी प्रचलन में रहेगा, जैसा कि हिंदुस्तान और आर्यावर्त हैं।

भारत के जितने भी नाम प्रचलित हैं उन सबको लेकर कई कई तरह ही मिथक कथाएं भी प्रचलित हैं। जैसे एक कहानी के मुताबिक भारत नाम राजा दुष्यंत और शकुंतला के पुत्र भरत के नाम पर पड़ा। दूसरी कहानी के मुताबिक अयोध्या के राजा दशरथ के चार पुत्रों में से एक भरत के नाम पर इस देश का नाम भारत पड़ा। जैन कथा के मुताबिक देश का नाम पहले जैन तीर्थंकर ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर पड़ा, जो पहले चक्रवर्ती सम्राट थे। एक मिथक कथा यह भी है कि विदर्भ के राजा भोज की एक बहन थी इंदुमति, जिसने अयोध्या के राजा अज को अपना पति चुना था। उन्हीं राजा अज के बेटे दशरथ हुए। कहानी के मुताबिक इंदु या इंदुमति के नाम से ही कालांतर में इस देश का नाम इंडिया हुआ। सबसे लोकप्रिय धारणा के मुताबिक इंडस वैली यानी सिंधु घाटी सभ्यता की वजह से देश का नाम इंडिया हुआ और यहां रहने वालों को हिंदू कहा गया। यूनान के इतिहासकार मेगास्थनीज ने ईस्वी पूर्व तीन सौ साल पहले यानी अभी से कोई 23 सौ साल पहले इस देश के बारे में 'इंडिका' नाम से किताब लिखी थी। दुनिया भर के शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के काम पर इस किताब का असर दिखता है। इस किताब का नाम यह दिखाता है कि आज से 23 सौ साल पहले यानी प्राचीन भारत में इंडिया नाम प्रचलित था और इंडिया नाम प्रचलित होने के कोई दो सौ साल बाद पहली बार भारत नाम सुनाई देता है। सो, यह नहीं कह सकते कि अंग्रेजों ने इंडिया नाम दिया इसलिए यह गुलामी का प्रतीक है। हो सकता है कि यह राजा दशरथ की मां के नाम पर हो या इंडस वैली सभ्यता के नाम पर हो। ध्यान रहे कोलंबस इंडिया खोजने ही निकला था और अमेरिका का रास्ता खोज लिया था। उसको लगा कि उसने इंडिया खोज लिया, तभी वहां के मूल निवासी इंडियन या रेड इंडियन कहे जाते हैं। सोचें, दुनिया का सबसे विकसित मुल्क इंडिया की खोज का बाई प्रोडक्ट है!

बहरहाल, इंडिया कहिए या भारत एक हकीकत यह भी है कि दोनों की पारंपरिक परिभाषा में विंध्य पर्वत के उस पार का इलाका नहीं आता है। पारंपरिक रूप से इंडिया और भारत दोनों में दक्षिण भारत नहीं है। सिंधु नदी के किनारे बसे लोग इंडिया के लोग हैं और भारत की भौगोलिक सप्तसिंधु की है यानी सात नदियों का प्रदेश, जो स्पष्ट रूप से उत्तर भारत का क्षेत्र है। इसकी सीमा भी विंध्य के उत्तर में ही है। आर्यावर्त में तो खैर अनार्यों की कोई जगह ही नहीं है। सो, नाम के विवाद में पड़ने की जरूरत नहीं है। जो नाम संविधान में लिखा है वह भी सही है, जो नहीं लिखा है वह भी सही है। अगर विपक्षी गठबंधन ने अपना नाम 'इंडिया' रखा है तो वह उस नाम से राजनीति करे और सरकार व भाजपा अगर देश को भारत के नाम से पुकारना चाहते हैं तो वह भी अच्छा है। दोनों नाम प्रचलित हैं और समान रूप से जनमानस में पैठे हुए हैं। पक्ष और विपक्ष अपनी अपनी राजनीति के लिए दोनों नामों का इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन यह तय है कि नाम चाहे इंडिया हो या भारत या दोनों, आम लोगों के जीवन पर इससे रत्ती भर फर्क नहीं पड़ने वाला है। न इंडिया नाम की वजह से लोग गुलाम व गरीब हैं और न भारत नाम की वजह से आजाद व अमीर हो जाएंगे। उनकी जो नियति है वह है। वह नाम बदलने से नहीं बदलने वाली है।

संपादकीय

मराठा आरक्षण का सवाल

आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक एवं शैक्षिक पिछड़ेपन की समस्या को आरक्षण के विमर्श से बाहर निकाला जाए। तभी मसले के सही कारणों की पहचान होगी और कारगर समाधान पर चर्चा करना संभव हो पाएगा। क्या इसका साहस कोई दल दिखाएगा?

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का सवाल फिर गरमा गया है। जालना में आरक्षण समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के बाद सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर दबाव इतना बढ़ा कि गृह मंत्री देवेंद्र फड़णवीस को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। जाहिर है, जिस समय चुनाव सिर पर हैं, भाजपा सामाजिक और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मराठा समुदाय को नाराज नहीं रखना चाहती। दूसरी तरफ विपक्षी दल इस समुदाय की भावनाओं को हवा देने में कोई कसर नहीं बरत रहे हैं। मगर मुद्दा यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण को अवैध ठहरा दिया है, तो फिर कोई सरकार इस समुदाय की मांग को कैसे पूरा करेगी? यह मसला नया नहीं है। तकरीबन चार दशक से मराठा आरक्षण की मांग चुनाव से ठीक पहले जोर पकड़ती है। दोनों पक्ष की सरकारों ने आरक्षण देने के निर्णय भी किए, जो न्यायिक परीक्षण में टिक नहीं सके। मराठा समुदाय के प्रभाव का हाल यह है कि महाराष्ट्र में आज तक बने 20 मुख्यमंत्रियों में से 12 इस समुदाय से आए हैं। जहां तक आबादी बढ़ने के साथ जमीन विभाजित होने और शैक्षिक स्तर पर आम मराठा व्यक्तियों के पिछड़े होने की बात है, तो इस समस्या से कोई बचा हुआ नहीं है। लेकिन आरक्षण इस समस्या का समाधान है, यह मानने का कोई तर्क नहीं हो सकता। जिस समस्या की जड़ें आर्थिक व्यवस्था और विकास नीति से जुड़ी हुई हैं, उनका सामाजिक समाधान ढूंढने की कोशिश निरर्थक है। मगर ऐसे समाधान से सिर्फ भावनाओं को संतुष्ट किया जा सकता है, लेकिन कथित पिछड़ेपन को दूर नहीं किया जा सकता। मगर वोट की राजनीति में सियासी पार्टियों के लिए भावनाओं को संतुष्ट करना एक महत्त्वपूर्ण दांव होता है। इसलिए वर्तमान केंद्र सरकार ने सवर्ण जातियों के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था कर दी, हालांकि उसे आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए आरक्षण बताया गया। बहरहाल, आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक एवं शैक्षिक पिछड़ेपन की समस्या को आरक्षण के विमर्श से बाहर निकाला जाए। तभी मसले के सही कारणों की पहचान होगी और कारगर समाधान पर चर्चा करना संभव हो पाएगा। क्या इसका साहस कोई दल दिखाएगा?

पुतिन के नए यार

श्रुति व्यास

जहां पश्चिमी देश व्लादिमीर पुतिन से दूरी बना रहे हैं, वहीं पुतिन कई नए यार बना रहे हैं। उनके ये नए यार उनके जैसे ही हैं-सत्ता के भूखे और पश्चिमी देशों को नीची निगाहों से देखने वाले। इन नए यारों की लिस्ट में सबसे ऊपर हैं किम जोंग-उन। अपने देश से बहुत कम बाहर निकलने वाले किम जोंग इसी महीने एक बख्तरबंद रेलगाड़ी से प्योंगयांग से रूस के प्रशांत सागर तट पर स्थित व्लादिवोस्तोक शहर पहुंचेंगे, जहां वे पुतिन से साथ काम की बातें करेंगे। पुतिन चाहते हैं कि किम जोंग रूस को गोला-बारूद और टैंक-रोधी मिसाइलें दें और किम चाहेंगे कि रूस उनके देश को उपग्रह और परमाणु-शक्ति से चलने वाली पनडुब्बियों की उन्नत टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराए। साथ ही उनके दरिद्र देश को खाद्यान्न भी दे।

इस बीच सोमवार को पुतिन ने तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन से मुलाकात की। दोनों देशों की पार्टनरशिप को विस्तार देने पर बातचीत की। कुछ महीने पहले तक पश्चिम में अटकलें लगाई जा रहीं थीं कि अर्दोआन और पुतिन के बीच दूरियां बढ़ रही हैं। लेकिन इस मुलाकात से पश्चिम में दुबारा चिंता बनी है। इन दोनों नेताओं के एकसाथ नजर आने से साफ हुआ है कि उनके रिश्ते कायम हैं और संभवतः और मज़बूत होंगे क्योंकि साझेदारी से दोनों को फायदा ज्यादा है और नुकसान कम।

तुर्की ने पश्चिमी प्रतिबंधों को लागू नहीं किया है और वह रूस को जरूरी चीजों की सप्लाई का महत्वपूर्ण जरिया बना हुआ है। दूसरी तरफ आर्थिक संकटों से जूझ रहे तुर्की के लिए रूस एक बड़ा बाजार है। तेल का भुगतान देरी से करने की सुविधा व तुर्की को केन्द्रीय बैंक में धन जमा कर रूस, तुर्की की अर्थव्यवस्था को भी सहारा दे रहा है। और किम जोंग-उन के विपरीत, जो पुतिन की तरह पश्चिम के बहिष्कारों का सामना कर रहे हैं, अर्दोआन के दोनों हाथों में लड्डू हैं।

अर्दोआननाटो में स्वीडन की एंट्री के लिए राजी हुए। उन्होंने अमेरिका में जो बाइडन से मुलाकात भी की। सोमवार को यह और साफ हो गया कि तुर्की और रूस के संबंध कितने गहरे होते जा रहे हैं। दोनों के बीच व्यापार से तुर्की को फायदा हुआ है, रूसी पर्यटक ज्यादा संख्या में तुर्की जा रहे हैं, एनर्जी से जुड़े मसलों पर दोनों देशों का आपसी सहयोग बढ़ा है और उनकी योजना भविष्य में इसे और आगे बढ़ाने की है। अर्दोआन बहुत खुश हैं कि रूस तुर्की के भूमध्यसागर तट के पास एक न्यूक्लियर पॉवर प्लांट बना रहा है और उसने दूसरा प्लांट बनाने की पेशकश की है।

दूसरी ओर उत्तर कोरिया के मामले में रूस-उत्तर कोरिया संबंधों का मजबूत होना दोनों देशों के लिए फायदेमंद है क्योंकि दोनों के ही बहुत कम मित्र हैं। और अमेरिका दोनों का साझा शत्रु है। व्हाइट हाउस ने चेतावनी दी है कि पुतिन और किम के बीच पत्रों के जरिए हथियारों के सौदे को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ है। बताया जाता है कि किम अक्सर उन विदेशी नेताओं को स्नेहपूर्ण और कई बार भावुक पत्र लिखते हैं जिन्हें वे अपना मित्र या संभावित मित्र मानते हैं। उनके व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच आमने-सामने की ऐतिहासिक मुलाकात के पहले कई पत्रों का आदान-प्रदान हुआ था।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया और रूस के आपसी सहयोग के बारे में सबसे पहले करीब एक साल पहले चेताया था। अधिकारियों ने सार्वजनिक किए गए अमरीकी जासूसी संस्थाओं के दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा था कि रूस, यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए तोप के गोले खरीदने की योजना बना रहा है। तुर्की और उत्तर कोरिया के अलावा, पुतिन को ईरान और चीन के रूप में मददगार दोस्त मिलते प्रतीत हो रहे हैं। ईरान ने रूस को ड्रोन दिए हैं और वह एक ड्रोन निर्माण इकाई बनाने में भी रूस की सहायता कर रहा है। चीन भी रूस की सेना के लिए उपयोगी तकनीकी दे रहा है।

व्लादिमीर पुतिन अकेले नहीं हैं। उन्हें यार मिल गए हैं जो उन्हें यूक्रेन की लड़ाई तेज करने में मदद कर रहे हैं। पुतिन इस स्थिति को तब तक बनाए रखना चाहते हैं जब उनके सबसे अच्छे मित्र डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति का चुनाव जीत नहीं जाते। आततायी कभी अकेले नहीं पड़ते, क्योंकि दुनिया में नायक कम हैं खलनायक ज्यादा।

मानव-केंद्रित वैश्वीकरण: हमें जी20 को दुनिया के अंतिम छोर तक ले जाना है, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है

नरेंद्र मोदी

वसुधैव कुटुम्बकम-हमारी भारतीय संस्कृति के इन दो शब्दों में एक गहरा दार्शनिक विचार समाहित है। इसका अर्थ है, पूरी दुनिया एक परिवार है। यह एक ऐसा सर्वव्यापी दृष्टिकोण है जो हमें एक सार्वभौमिक परिवार के रूप में प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक ऐसा परिवार जिसमें सीमा, भाषा और विचारधारा का कोई बंधन ना हो। जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान, यह विचार मानव-केंद्रित प्रगति के आह्वान के रूप में प्रकट हुआ है। हम एक पृथ्वी के रूप में, मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। हम एक परिवार के रूप में विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोगी बन रहे हैं। और एक भविष्य के लिए हम एक साझा उज्जवल भविष्य की ओर एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के बाद की विश्व व्यवस्था इससे पहले की दुनिया से बहुत अलग है। कई अन्य बातों के अलावा, तीन महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। पहला, इस बात का एहसास बढ़ रहा है कि दुनिया के जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। दूसरा, दुनिया ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के महत्व को पहचान रही है। तीसरा, वैश्विक संस्थानों में सुधार के माध्यम से बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने का सामूहिक आह्वान सामने है। जी-20 की हमारी अध्यक्षता ने इन बदलावों में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। दिसंबर 2022 में जब हमने इंडोनेशिया से अध्यक्षता का भार संभाला था, तब मैंने यह लिखा था कि जी-20 को मानसिकता में आमूल-चूल परिवर्तन का वाहक बनना चाहिए। विकासशील देशों, ग्लोबल साउथ के देशों और अफ्रीकी देशों की हाशिए पर पड़ी आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए इसकी विशेष आवश्यकता है।

इसी सोच के साथ भारत ने 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' का भी आयोजन किया था। इस समिट में 125 देश भागीदार बने। यह भारत की अध्यक्षता के तहत की गई सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक रही। यह ग्लोबल साउथ के देशों से उनके विचार, उनके अनुभव जानने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। इसके अलावा, हमारी अध्यक्षता के तहत न केवल अफ्रीकी देशों की अबतक की सबसे बड़ी भागीदारी देखी गई है, बल्कि जी-20 के एक स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकन यूनियन को शामिल करने पर भी जोर दिया गया है। हमारी दुनिया परस्पर जुड़ी हुई है, इसका मतलब यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में हमारी चुनौतियां भी आपस में जुड़ी हुई हैं। यह 2030 एजेंडा के मध्य काल का वर्ष है और कई लोग चिंता जता रहे हैं कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के मुद्दे पर प्रगति पटरी से उतर गई है। एसडीजी के मोर्चे पर तेजी लाने से संबंधित जी-20 2023 का एक्शन प्लान भविष्य की दिशा निर्धारित करेगा। इससे एसडीजी को हासिल करने का रास्ता तैयार होगा। भारत में, प्राचीन काल से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर आगे बढ़ना हमारा एक आदर्श रहा है और हम आधुनिक समय में भी क्लाइमेट एक्शन में अपना योगदान दे रहे हैं। ग्लोबल साउथ के कई देश विकास के विभिन्न चरणों में हैं और इस दौरान क्लाइमेट एक्शन का ध्यान रखा जाना चाहिए। क्लाइमेट एक्शन की आकांक्षा के साथ हमें ये भी देखना होगा कि क्लाइमेट फाइनेंस और ट्रांसफर ऑफ टेक्नॉलजी का भी ख्याल रखा जाए। हमारा मानना है कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए पाबंदियों वाले रवैये को बदलना चाहिए। 'क्या नहीं किया जाना चाहिए' से हटकर 'क्या किया जा सकता है' वाली सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें एक रचनात्मक कार्यसंस्कृति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। एक टिकाऊ और सुदृढ़ ब्लू इकॉनमी के लिए चेन्नई एचएलपी हमारे महासागरों को स्वस्थ रखने में जुटी है। ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन सेंटर के साथ, हमारी अध्यक्षता में स्वच्छ एवं ग्रीन हाइड्रोजन से संबंधित एक ग्लोबल इकोसिस्टम तैयार होगा। वर्ष 2015 में, हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस का शुभारंभ किया था। अब, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस के माध्यम से हम दुनिया को एनर्जी ट्रांजिशन के योग्य बनाने में सहयोग करेंगे। इससे सर्कुलर इकॉनमी का फायदा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगा। क्लाइमेट एक्शन को लोकतांत्रिक स्वरूप देना, इस आंदोलन को गति प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है। जिस प्रकार लोग अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर रोजमर्रा के निर्णय लेते हैं, उसी प्रकार वे इस धरती की सेहत पर होने वाले असर को ध्यान में रखकर अपनी जीवनशैली तय कर सकते हैं। जैसे योग वैश्विक जन आंदोलन बन गया है, उसी तरह हम 'लाइफस्टाइल फॉर सस्टेनेबल इनवायरमेंट' को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण, खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे निपटने में मोटा अनाज या श्रीअन्न से बड़ी मदद मिल सकती है। श्रीअन्न क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर को भी बढ़ावा दे रहा है। इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स के दौरान हमने श्रीअन्न को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया है।

क्या टुकड़ों में विभाजित होगा पाकिस्तान

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में पाकिस्तान में जिस प्रकार के स्वर मुखरित हो रहे हैं, उसके निहितार्थ लगाए जाएं तो यही परिलक्षित होता है कि पाकिस्तान की जनता अब अपने ही उन नीति नियंताओं का विरोध करने पर उतारू हो गए हैं, जिन्होंने पाकिस्तान बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। पाकिस्तान के निर्माण के साथ ही राजनीतिक दुष्चक्र में गोता लगाने वाले पाकिस्तान के शासकों ने केवल अपने हित की राजनीति को ही प्रधानता दी। जिसके कारण न तो पाकिस्तान प्रगति कर सका और न ही वहां की जनता का जीवन स्तर ही बेहतर हो सका है। आज इस तथ्य को सभी जानते हैं कि पाकिस्तान की जनता अनेक प्रकार की विसंगतियों का सामना कर रहा है। महंगाई का आलम यह है कि जनता इसमें लगातार पिस रही है। दैनिक उपयोग की वस्तुयों के आसमानी भाव ने जनता के माथे पर चिंता की लकीरें स्थापित कर दी हैं। अब पाकिस्तान में एक नई समस्या भी स्थापित हो रही है, जिसमें अब पाकिस्तान की जनता ही अपने शासकों को कोष रही है। इतना ही नहीं वहां की जनता के मुख से पाकिस्तान से आजादी प्राप्त करने की आवाजें सुनाई देने लगीं हैं। इससे हो सकता है कि पाकिस्तान अपनी स्वयं की करनी के कारण टूट कर बिखर जाए। वर्तमान में पाकिस्तान के कई प्रांतों में भारतीयता की झलक देखने को मिल रही है। इसलिए कहा जा सकता है कि पाकिस्तान स्वाभाविक रुप से आज भी भारत का ही अंग है। पाकिस्तान ने बार-बार कश्मीर बोला, भारत ने हमेशा सहन किया। इसके बाद भारत ने एक बार ब्लूचिस्तान के नागरिकों की भावनाओं को व्यक्त किया तो चीन और पाकिस्तान की भौंहें तन गई। पूरा विश्व इस बात को भली भांति जानता है कि आज ब्लूचिस्तान, गिलगित और बाल्टिस्तान में जिस प्रकार से मानवाधिकारों का हनन किया जा रहा है, उसमें पाकिस्तान का चेहरा पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। इन स्थानों पर अंदर ही अंदर पाकिस्तान के विरोध में वातावरण बना हुआ है। कुछ लोगों ने खुलकर विरोध करना प्रारंभ कर दिया है, और कुछ लोग पाकिस्तान के दमनकारी रवैये के कारण डरे सहमे हुए हैं। अगर पाकिस्तान के इन क्षेत्रों के लोगों की भावनाओं को समझा जाए तो यह क्षेत्र किसी भी तरीके से पाकिस्तान के साथ रहना नहीं चाहते।

भारत में जिस प्रकार से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिली हुई है, उसी तरह की बोलने की आजादी पाकिस्तान में भी होती तो संभवत: आज पूरे पाकिस्तान में ही विरोधी स्वर सुनाई दे रहे होते।

सिंध और ब्लूचिस्तान की जनता की ओर से जहां भारत में शामिल होने के स्वर सुनाई देने लगे हैं। इतना ही नहीं इन प्रदर्शनकारियों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का खुलकर समर्थन भी किया है। आगे चलकर यह भी हो सकता है कि ब्लूचिस्तान और सिंध की तर्ज पर पाकिस्तान के पंजाब में भी आजादी की मांग उठने लगे। क्योंकि पंजाब के कई लोग अपने आपको आज भी स्वाभाविक रुप से भारत का हिस्सा ही मानते हैं। वहां भारतीय संस्कृति के अवशेष बिखरे हुए दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं वहां के जनजीवन में भी भारतीयता की झलक दिखाई देती है। पाकिस्तान में आज जो हालात दिखाई दे रहे हैं, वह केवल आतंकी आकाओं की बढ़ती हुई सक्रियता का ही परिणाम कहा जाएगा। कई क्षेत्रों में बेरोजगारी और भुखमरी के हालात हैं। पाकिस्तान ने इस समस्या के समाधान के लिए किसी प्रकार के प्रयास नहीं किए। इसके विपरीत आतंकवाद को बढ़ाने के लिए पूरा समर्थन दिया। वर्तमान में पाकिस्तान की हालत ऐसी है कि लोग आतंकवाद का विरोध करना भी चाहें तो भी नहीं कर सकते। ऐसा करने पर आतंकवादी अपने ही नागरिकों पर अत्याचार करते हैं। जिसका दंश भोली भाली जनता को भोगना पड़ रहा है। पाकिस्तान की जनता पूरी तरह से आतंकवाद से त्रस्त आ चुकी है। लम्बे समय से पाकिस्तान की दमनकारी अत्याचार को सहन कर रही वहां की जनता को जब लगा कि नरेन्द्र मोदी ने उनकी भावनाओं को समझा है, तो वह पूरी तरह से उनके साथ आने लगे हैं। इसके साथ ही कश्मीर की बात करें तो वहां के वातावरण को बिगाडने में पाकिस्तान का पूरा हाथ रहा है। यहां पर एक बात तो साफहै कि पूरी समस्या के लिए पाकिस्तान ही दोषी है, फिर भी उलटा चोर कोतवाल को डाटे वाली तर्ज पर पाकिस्तान की सरकार चल रही है। पाकिस्तान के अपने प्रांतों में वर्तमान में जो हालत है, उसके लिए पाकिस्तान के सरकारी मुखिया और आतंकवाद फैलाने वाले संगठन ही जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान के विरोध में पाकिस्तानियों के खड़े होने का आशय यही है कि वहां का हर व्यक्ति आतंकवाद का समर्थन नहीं करता। आज ब्लूचिस्तान में पाकिस्तान से आजादी की मांग करने के लिए जबरदस्त प्रदर्शन हो रहे हैं। यहां पहले तो इस बात को समझना चाहिए कि ब्लूचिस्तान क्या है? तो इसका जवाब यही है कि ब्लूचिस्तान को आजादी के समय अलग देश की मान्यता मिली थी। यह पाकिस्तान का स्वाभाविक हिस्सा नहीं था। पाकिस्तान ने हमला करके ब्लूचिस्तान पर कब्जा किया था। तब से ही ब्लूचिस्तान के नागरिक पाक की ज्यादतियों के विरोध में आवाज उठाते रहे हैं। इसलिए यह कहना कि यह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण हो रहा है, किसी भी रुप से सही नहीं है। यह बात सही है कि पाकिस्तान कश्मीर के मुद्दे पर बेशर्मी की हदें पार करने वाला व्यवहार करता आया है, इसलिए उससे कश्मीर के मामले में अच्छे व्यवहार की कल्पना करना निरर्थक ही है। बार-बार पराजय झेलने के बाद भी उसकी भूमिका में कोई सुधार नहीं आया है। अब सवाल यह आता है कि जिस प्रकार से ब्लूचिस्तान और सिंध में पाकिस्तान से आजाद होने की आवाजें उठ रही हैं, उसमें भारत की क्या भूमिका रहेगी। पाकिस्तान के प्रांतों में आजादी के लिए हो रहे विरोध प्रदर्शनों के चलते एक बात स्पष्ट रुप से दिखाई दे रही है कि पाकिस्तान भविष्य में तीन या चार हिस्सों में विभाजित हो जाएगा। मान लीजिए पाकिस्तान के चार हिस्से बनते हैं, तब ब्लूचिस्तान, सिंध और पंजाब देश पाकिस्तान के विरोध में रहेंगे। तब पाकिस्तान एक दम कमजोर हो जाएगा और फिर उसकी ओर से फैलाए जा रहे आतंकवाद की आग में वह स्वयं ही झुलस जाएगा।

सार-समाचार

जिले के समस्त विद्यालयों में विद्यार्थियों ने सीखा व्यक्ति गत स्वच्छता का पाठ

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर स्वच्छता पखवाड़ा 01 से 15 सितम्बर 2023 के तारतम्य में आज स्वच्छता पखवाड़ा अन्तर्गत जिले के समस्त विद्यालयों में व्यक्तिगत स्वच्छता दिवस मनाया गया। शिक्षकों द्वारा छात्र, छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता में नाखून को काटने एवं साफ रखने, रोजाना साफ पानी से नहाने, साफ कपड़े पहनना, खुले में न थुकना, दिन में दो बार ब्रश करना, जूता चप्पल के बारे में बताया गया। बच्चों को मास्क पहनने, एक-दुसरे से हाथ नहीं मिलाने, व्यक्तिगत वस्तुओं को दूसरों के साथ साझा नही करने एवं शौचालय और पीने के पानी की सुविधाओं को स्वच्छ तरीकों से उपयोग करने के लिए बताया गया साथ ही यह भी बताया गया की स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता आवश्यक है, शौच से आने के बाद हाथों को साबुन या राख से साफकरना तथा मुंह को हाथों से न छूना। स्वच्छ कपड़े पहनना तथा अन्य कई बातें बच्चों को बताई गई, ताकि वे इस बात को अपने घर परिवार एवं गांव को साझा कर इसकी उपयोगिता समझा सकें।

सनातन धर्म को समूल नाश करने वाले बयान के विरोध में नारेबाजी

दल्लीराजहरा। 08 सितंबर को सर्व समाज समरसता समिति द्वारा सनातन धर्म संस्कृति के प्रति अपमानित करने वाले भाषण और सांप्रदायिक हिंसा भड़काने तथा सामाजिक समरसता को भंग करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करने के लिए जैन भवन चौक में एकत्र होकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया तथा एस. डी. एम. कार्यालय के माध्यम माननीय राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञात हो की 02 सितंबर को प्रगतिशील लेखक और कलाकार संघ द्वारा आयोजित सनातन उन्मूलन परिसंवाद कार्यक्रम के मंच से तमिलनाडु के खेलमंत्री उदयनिधि स्टॉलीन द्वारा अपने भाषण में सनातन धर्म को डेंगू मच्छर और कोरोना वायरस बताकर इसके समूल उन्मूलन कर मिटाने की बात कही है। सर्व समाज समरसता समिति द्वारा उक्त भाषण को देश के बहु संख्यक वर्ग और सनातन धर्मावलम्बियों के प्रति नफरत से भरा हेट स्पीच मानती है तथा सामाजिक व सांप्रदायिक हिंसा भड़काने की कोशिश मानती है। सनातन धर्मद्रोही उदय निधि स्टॉलीन ने न केवल नफरत भरे भाषण दिया बल्कि अपने बयानों के लिए अपने आप को सही ठहराते हुए क्षमा याचना करने से भी इंकार कर दिया है। हम सब उनके इस बयानों से बहुत चिंतित है विशेषत: तमिलनाडु में रहने वाले सनातनियों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर। ज़ब एक सरकार ही किसी धर्म संस्कृति के प्रति दुराग्रह रखता हो तब उस धर्म संस्कृति के अनुयायियों की सुरक्षा का क्या होगा। उदयनिधि स्टॉलीन की ये टिप्पणियां निर्विवाद रूप से हेट स्पीच है। जो सांप्रदायिक वैमनस्य और हिंसा को भड़का सकता है। यह भारत की एक बड़ी आबादी के विरोध में है और भारत के संविधान के मूल पर प्रहार है जो भारत को एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र के रूप मे देखता है। सुप्रीम कोर्ट देश में नफरत फैलाने वाले भाषणों की बढ़ती घटनाओं पर विभिन्न समयों में कई बार चिंता जता चुकी है। और सरकारों और पुलिस अधिकारियों को स्वत: संज्ञान लेकर ऐसे घटनाओं में औपचारिक शिकायत दर्ज होने की प्रतीक्षा किये बिना कार्यवाही करने का निर्देश दिया था। अगर इस मामले में किसी भी तरह देरी हुई तो यह सुप्रीम कोर्ट की अवमानना जैसा गंभीर मुद्दा होगा। अतएव ऐसे बयानों का प्रबल और मुखर विरोध की आवश्यकता मानते हुए समिति द्वारा 08 सितंबर को जैन भवन चौक के पास एकत्र होकर जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया,साथ ही दल्ली राजहरा नगर सभी सनातन समाज प्रमुखों और संगठन प्रमुखों सहित लगभग 300 प्रतिष्ठित नगरवासियों के हस्ताक्षर युक्त शिकायत पत्र बनाकर जिम्मेदारों के ऊपर कठोर कार्यवाही करने के लिए सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट के माध्यम से माननीय राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया। इस विरोध प्रदर्शन में संतोष यादव अध्यक्ष सर्व समाज समरसता समिति, पवन कुमार गैंगबोईर पूर्व अध्यक्ष सर्व समाज समरसता समिति, तोरण लाल साहू पूर्व अध्यक्ष सर्व समाज समरसता समिति, गोविन्द वाधवानी अध्यक्ष राजहरा व्यापारी संघ, अशोक लोहिया पूर्व महासचिव सर्व समाज समरसता समिति एवं उपाध्यक्ष राजहरा व्यापारी संघ, श्री एम. एस. श्रीजीत संयोजक युवा प्रकोष्ठ, श्रीमती नंदा पशीने संयोजक महिला प्रकोष्ठ, श्रीमती सत्या साहू पूर्व संयोजक महिला प्रकोष्ठ, उपाध्यक्ष भुवन सिन्हा, श्रीमती वीणा साहू, सचिव श्रीमती द्रोपती साहू, सह कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, क्रांति जैन महासचिव राजहरा व्यापारी संघ,राजेंद्र राठी, महेंद्र भाई पटेल, संटू सिंग, दमनदीप सिंग, दादू गुप्ता, सौरव लूनिया, नवीन कुमार साहू, भूपेंद्र श्रीवास,रमेश जैन।

उच्च अधिकारियों द्वारा हर महीने समीक्षा होगी

रामानुजनगर का हर पंचायत होगा टीबी मुक्त

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में आज टीबी फोरम विकासखंड रामानुजनगर की बैठक में अनुविभागीय अधिकारी श्री नन्द जी पांडेय जी की अध्यक्षता में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी, मंडल संयोजक, खंड कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम के उपस्थित में सम्पन हुआ। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, मितानिन कार्यक्रम, स्वच्छ भारत मिशन, आजीविका मिशन आदि विभागों के प्रतिनिधि सहभागी रहे। एसडीएम श्री नन्द जी पांडेय ने कहा कि सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर अच्छे से कार्य करेंगे उसमें तो हम लोग पुरे विकासखण्ड को टीबी फ्री कर सकते हैं। ऐसा ही कार्ययोजना पंचायत स्तर तक बने और गहनता से कार्य हो निश्चित तौर पर सफ्लता मिलेगी। टीबी मुक्त पंचायत के लिए जब जब ग्रामसभा हो तब तब इस संदर्भ में समीक्षा और चर्चा हो। सम्भावित क्षय रोगियों का चिन्हांकन और उसका जांच हो, स्वास्थ्य विभाग तो सेवाएं दे रहा है पर जागरूकता के लिए विभिन्न विभागों की बैठकों में भी चर्चा किया जाये । जिला क्षय कंसल्टेंट अधिकारी ने कहा की दिसम्बर में टीबी फ्री पंचायत के लिए दावा पेश करना है तथा 24 मार्च को चयनित और सत्यापित पंचायतों को कलेक्टर के द्वारा उक्त पंचायत को पुरस्कृत और सम्मानित किया जायेगा। सूरजपुर जिला को टीबी मुक्त जिला बनाने में पिरामल फाऊंडेशन छत्तीसगढ़ विशेष सहयोग प्रदान कर रहा है विगत माह 26 स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम किया। खण्ड़ कार्यक्रम प्रबंधक कहा कि ब्लांक से पंचायत स्तर पर पहुंचाने के लिए ग्रामपंचायत के सचिवों की अहम भूमिका है। आज के बैठक का संदेश अब सभी पंचायतों तक पहुंचेगा। जिससे स्वास्थ्य विभाग को जमीनी स्तर पर समन्वय स्थापित करने में आसानी होगी। डीपीसी संजीत ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर 28 पंचायतें टीबी फ्री का योग्यता रखती है, उन पंचायतों में सर्वाधिक जांच भी किया गया है और टीबी के केश भी नहीं निकले इस लिए उन पंचायतों के लिए टीबी फ्री का दावा किया जा सकता है यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। सहायक परियोजना अधिकारी श्री शशि सिंह ने बताया कि जिस प्रकार जिला और ब्लॉक में टीबी फोरम बना है और समीक्षा हो रही है ठीक उसी प्रकार पंचायत स्तर पर भी पंचायत टीबी फोरम बनेगा। कार्यक्रम का संचालन पिरामल संस्था के आशीष गुप्ता और स्वास्थ्य विभाग के विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक संदीप नामदेव ने किया।

विधानसभा निर्वाचन के लिए नामांकन स्टाफका प्रशिक्षण हुआ संपादित

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधानसभा निर्वाचन 2023 को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार नामाकंन कार्य में जुड़े समस्त स्टॉफ को प्रशिक्षण दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा नाम निर्देशन पत्र वितरण करने के संबंध में बरती जाने वाली सावधानी, मतदान सूची से अभ्यर्थि एवं प्रस्तावक के भाग संख्या क्रम संख्या का मिलान करना, शपथ पत्र फार्म 26, मतदाता सूची की अप्रमाणित प्रति जब अभ्यर्थी किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक को, के बारे में बताया गया।

उप निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा द्वारा नामांकन कार्य के पूर्व किये जाने वाली तैयारियां, नामांकन कार्य में प्रयुक्त होने वाले सभी प्रपत्र, संबंधित विधानसभा के क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों की मतदाता सूची का रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में उपलब्धता के बारे में जानकारी दी गई।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री. पी.सी. सोनी द्वारा पीपीटी के माध्यम के नामांकन प्रक्रिया के विभिन्न चरण-निर्वाचन की अधिसूचना, लोक सूचना का प्रकाशन, नाम निर्देशन पत्र दाखिल करना, नाम निर्देशन पत्रों की प्रारंभिक जांच, नाम निर्देशन पत्र में संलग्न किये जाने वाले दस्तावेज, शपथ पत्र फार्म 26 को भरने संबंधी जानकारी, नाम निर्देशन पत्रों की सामेकित सूची तैयार करना, नामाकंन पत्रों की संवीक्षा, विधि मान्य, नाम निर्देशित अभ्यर्थियों की सूची अपत्र-4 तैयार करना, नाम वापसी प्रक्रिया, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची, प्रपत्र-7क तैयार करना, निर्वाचन प्रतीक का आबंटन करने की प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक बताया गया। प्रशिक्षण समाप्ति पश्चात सभी आर.ओ एवं ए.आर.ओ. का पच्चास प्रश्नों का परीक्षा लिया गया।

इस दौरान सर्व रिटर्निंग ऑफ्सिर, सर्व सहायक रिटर्निंग ऑफ्सिर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव एवं 06 प्रतापपुर एवं सर्वनाम निर्देशन टीम विधानसभा निर्वाचन 2023 तथा जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय टी.बी. एलिमिनेशन टास्क फोर्स की बैठक हुई संपन्न

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) के मार्गदर्शन में आज विकासखण्ड स्तरीय टी.बी. एलीमिनेशन टास्क फोर्स के अंर्तगत उन्मूखीकरण सह कार्यशाला बैठक अनुविभागीय अधिकारी की अध्यक्षता में तथा जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत ओड़गी, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, मितानीन कार्यक्रम, स्वास्थ्य विभाग की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें एस.डी.एम. श्री सागर सिंह ने कहा कि समस्त ओड़गी ब्लॉक को टी.बी. मुक्त बनाये जाने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों के समन्वय एवं तालमेल के द्वारा वृहद माइक्रो प्लान तैयार करके टी.बी. पंचायत मुक्त बनाया जा सकता है। इसके लिए हमको आगामी ग्राम सभाओं तथा संभावित क्षय रोगियों का चिन्हांकन कर जांच किया जाना होगा। साथ ही सभी विभागों की बैठक समय-समय पर किया जाना होगा। इस दौरान जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ टोप्पो सर ने कहा कि नजदीकी पी.एच.आई.डी.एम.सी में चिन्हित टी.बी. के संदेहास्पद मरीज, ड्रग रेजीस्टेंट के संदेहास्पद मरीजों का सैंपल नॉट के माध्यम से जांच कराया जाना उचित होगा। सैंपल कलेक्शन डी.एम.सी. स्तर पर एम.एल.टी. की निगरानी में हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, उप स्वास्थ्य केन्द्रों में सी. एच.ओ. के माध्यम से निगरानी किया जा सकेगा। एकत्रित सैंपल को कोल्ड चौन में संधारण किया जाना उचित होगा। समुदाय स्तर पर किसी मरीजों को हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर व उप स्वास्थ्य केन्द्र तक आने में असमर्थ हो तो उनका सैंपल गृह भ्रमण कर आर.एच.ओ और मितानीन का सहयोग लिया जा सकेगा। स्पूटम स्तर के माध्यम से पी.एच.सी., सी.एच.सी. तक भेजा जा सकेगा। जिससे क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को गति मिलेगी।

सेंट थॉमस महाविद्यालय भिलाई में शिक्षक दिवस का आयोजन

भिलाई। सेंट थॉमस महाविद्यालय, रूआबांधा, भिलाई की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय सभागार में शिक्षकों के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन के पश्चात् महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ जेम्स मैथ्यू ने सभी छात्रों एवं प्राध्यापकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय के प्रशासक रेवरेंट फादर डॉ जोशी वर्गीस तथा प्राचार्य डॉ एम. जी. रोईमोन ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई को इस सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ जेम्स मैथ्यू, फर्स्ट शिफ्ट इंचार्ज डॉ चंदा वर्मा, सेकंड शिफ्ट इंचार्ज एवं आईक्यूएसी संयोजक डॉ देबजानी मुखर्जी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सह-संयोजक डॉ जे मजू ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सभी पदाधिकारयों को बैच लगाकर एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र इखार के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस स्वयंसेवक खोमेंद्र, उत्कर्षा एवं दिशा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस स्वयंसेवक धनंजय यादव ने दिया। इस अवसर पर सभी विभागों के प्राध्यापकगण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

धर्म परिवर्तन को लेकर बजरंग सेना करेगी दहाड़ रैली आन्दोलन

चिरमिरी- हिंदूवादी संगठन श्रीबजरंग सेना छत्तीसगढ़ की समीक्षा बैठक छोटा बाजार नमन सेलिब्रेशन हॉल में सैकड़ो पदाधिकारी के बीच बैठक आयोजित की गई बैठक में महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष भारती सिंह प्रदेश महासचिव राजेश यादव जिला अध्यक्ष सूरज देवांगन महिला बैंक की जिला अध्यक्ष सुनीता तिवारीउपस्थित रही

पदाधिकारी ने बताया कि श्रीबजरंग सेना ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र में टीम का विस्तार युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है जिला अध्यक्ष ने कहा कि श्रीबजरंग सेना टीम का विस्तार करने के लिए पूरी तरह से कार्य कर रही है चिरमिरी के 40 वार्डों में प्रत्येक वार्ड में एक महिला वार्ड अध्यक्ष और एक पुरुष वार्ड अध्यक्ष के साथ वार्ड के स्तर

पर टीम का विस्तार किया जाएगा इसी तरह से जिले भर के ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्री बजरंग सेना ग्राम स्तर पर अध्यक्ष नियुक्त करते हुए टीम का विस्तार करेगी जिसकी शुरुआत हो चुकी है साथ ही जिस प्रकार से धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है और एक मिशन की तरह गरीब हिंदू आदिवासी हिंदू भाइयों को पहले फुसला कर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है जिसको लेकर श्रीबजरंग सेना के नेतृत्व में खड़गवा जनपद पंचायत के सामने दहाड़ रैली कार्यक्रम का बहुत जल्द आयोजन किया जा रहा है जहां पर श्रीबजरंग सेना के पदाधिकारी दहाड़ रैली के उपस्थित रहे। मंच से धर्म परिवर्तन करने वालों के खिलाफमें हुंकार लगाएंगे इस दहाड़ रैली को लेकर पूरी रूपरेखा पर पदाधिकारी के साथ चर्चा की गई है

बैठक में सभी नए पदाधिकारी को हनुमान चालीसा देकर स्वागत किया गया - बैठक कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग भारती सिंह , राजेश यादव ,सुनीता तिवारी सूरज देवांगन ,अतुल बक्सेल महिला विंग की नगर अध्यक्ष ज्योति सिंह शारदा यादव रोशनी सैंडी जिला उपाध्यक्ष विजय साहू मनोज साहू, दुर्गावती, विवेक चौहान रमेश सिंह, हेद्रपाल,ध्यान सिंह, मनीष दीवान, राजू,कुंती, विजय, लक्ष्मी, लक्की, मीरा, सुनीता, कविता,सविता, उषा भोई,राहुल, भरत सिंह के साथ अन्य कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ट्राईसाईकिल की मांग को लेकर विकलांग हितग्राही कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर

एम सी बी (चिरमिरी)- हितग्राही अपने निरासी के पैसे और ट्राई साइकिल की मांग के लिए कार्यालय और अधिकारी के पास ठोकर खाने के लिए मजबूर हो रहे हैं मामला जिला एमसीबी दूरस्थ वनांचल क्षेत्र जनपद पंचायत भरतपुर का हैं

बात दे कि दिव्यांग महिला बब्बी बाई जो शारीरिक रूप से विकलांग होने के कारण पैदल चलने में असमर्थ हैं, बब्बी बाई जनकपुर से 30 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत रांपा की रहने वाली हैं। दिव्यांग बब्बी ने बताया कि मैं अपने निराशी का पैसा लेने के लिए जनकपुर के जनपद कार्यालय आई हूं। मेरा निराशी का पैसा नहीं चढ़ाया जा रहा है हर महीने दिव्यांग बब्बी बाई का निरासी की राशि को खाते में जमा कर दिया जाता है मगर बब्बी बाई जब किसी कियोस्क सेंटर केंद्र में जाती है तो उन्हें बता दिया जाता है कि आपका पैसा ही नहीं आया है अधिकारियों के द्वारा घोर लापरवाही दिव्यांग के साथ और बब्बी बाई के खाते में भी पैसे भी नहीं है। जबकि जनपद कार्यालय से बब्बी बाई के खाते में पैसे स्थानांतरित कर दिए गए हैं बोलकर आश्वासन दे दिया जाए,बब्बी बाई का कहना है कि कुछ वर्ष पहले जब कोटाडोल में

कार्यक्रम हुआ था तब उन्हें ट्राई साइकिल दी गई थी मगर वह टूट गई है जिसकी फोटो भी मैं जनपद कार्यालय में जमा कर दिया था। मगर अभी तक ट्राई साइकिल दिव्यांग बब्बी बाई को नहीं मिल सकी सिर्फ आश्वासन दिया जाता है,वही सेमरिया निवासी दिव्यांग जगदीश सिंह पोया कि भी परेशानी है उन्होंने बताया कि मेरा एक्सीडेंट हो गया था 4 साल से मैं बैठकर कठवा में इस देसी जुगाड़ से बैठकर चलने के लिए मजबूर था,वही ग्राम पंचायत सेमरिया के विकलांग मितान हीरालाल सिंह उईके ने बताया कि कुछ वर्ष पहले जनकपुर में विकलांग शिविर लगा था जिसमें मैं जगदीश को लेकर आया था और दिव्यंका का पूरे फॉर्म भी भरवा दिया था।मगर आज तक जगदीश सिंह का विकलांग सर्टिफिकेट ही नहीं बन पाया। जिसके कारण इन्हें कई प्रकार के शासन के लाभों से वंचित होना पड़ रहा है।इस मामले में जब हमारी बात मुख्य कार्यपालन अधिकारी भरतपुर अनिल अग्निहोत्री से हुई तो उनके द्वारा बताया गया कि हमारे यहां से हितग्राहियों की राशि समय-समय पर डाल दी जाती है। मगर हितग्राहियों के पास जनधन खाते का पासबुक ना होने के कारण इन्हें जानकारी नहीं मिल पाती कि उनके खाते में पैसा है या नहीं है और यह कार्यालय के दर-दर भटकते हैं। जिसके लिए जनपद कार्यालय से स्टेट बैंक के प्रबंधक के नाम एक लिखित लेटर जारी किया है कि जनधन के हितग्राहियों का पासबुक बनवाया जाए,वही जनपद कार्यालय से यह भी जानकारी दी गई है हमारे ब्लॉक में ही नहीं जिले में ही ट्राई साइकिल उपलब्ध नहीं है लाखों का भ्रष्टाचार हो रहा है पर दिव्यागो के लिए कोई सहायता नहीं दिखाई दे रही है

संक्षिप्त समाचार

तुर्की के फारुक ओजर को 11 हजार साल की सजा, क्रिप्टो के जरिए 4 लाख लोगों को लगाया चूना

अंकारा, एजेंसी। तुर्की क्रिप्टो एक्सचेंज थोडेक्स के संस्थापक फारुक फातिह ओजर, उनकी बहन सेराप ओजर और उनके भाई गुवेन ओजर को 11,196 साल, 10 महीने और 15 दिन की जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही उनके खिलाफ लगभग 50 लाख डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। आपको बता दें कि अप्रैल 2021 में अचानक ऑफलाइन होने और ओजर के लापता होने से पहले थोडेक्स तुर्की का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज था। उसने करीब 400,000 से अधिक लोगों को चूना लगाया। ओजर अल्बानिया भाग गया था, लेकिन अगस्त 2022 में उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अप्रैल 2023 तक ओजर को तुर्की में प्रत्यर्पित कर दिया गया था। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। ओजर के भाई, बहन और चार अन्य वरिष्ठ कर्मचारियों को भी जेल में डाल दिया गया। जांच के दौरान कम से कम 83 लोगों को हिरासत में लिया गया। 21 दोषियों को 40,564 साल तक की जेल का सामना करना पड़ा। अनातोलियन की अदालत ने गुरुवार को फैसले की घोषणा की, जिसमें 21 प्रतिवादियों में से 16 को बरी कर दिया गया। सबूतों की कमी के कारण जेल में बंद सात में से चार को रिहा कर दिया गया।

नेपाली कांग्रेस के महासचिव पर हमले के खिलाफ प्रदर्शन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस की युवा शाखा के सदस्यों ने पार्टी के संयुक्त महासचिव महेंद्र यादव पर बुधवार को हुए हमले को लेकर देश के गृह मंत्री के विरोध में शुक्रवार को मार्च निकाला। यादव पर हुए हमले के बाद से वह अस्पताल में भर्ती हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने पर गृह मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ के इस्तीफे की मांग को लेकर युवा शाखा के लोग सड़कों पर उतर आए। यादव के सिर के पिछले हिस्से में चोट लगी है, जिनका बीर अस्पताल में इलाज जारी है।

हांगकांग में 140 साल में सबसे ज्यादा बारिश

हांगकांग, एजेंसी। हांगकांग में लगभग 140 वर्षों में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। इसके बाद बड़े पैमाने पर शहर में बाढ़ और जलभराव हो गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को सड़कों और सबवे स्टेशनों पर पानी भर गया और स्कूलों और कार्यस्थलों को बंद करना पड़ा। मौसम ब्यूरो ने कहा कि गुरुवार को शुरू हुई बारिश, लगभग 140 वर्षों में सबसे ज्यादा है। आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि 100 से अधिक लोगों को अस्पताल ले जाया गया और कई लोगों को बचाया गया। गुरुवार रात शहर में मूसलाधार बारिश से सड़कों, शॉपिंग सेंटरों और सार्वजनिक परिवहन में पानी भर गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर वीडियो में लोगों को पानी से बचने के लिए कारों और अन्य ऊंचे प्लेटफार्मों पर चढ़ते हुए देखा गया, जो कुछ क्षेत्रों में कई मीटर ऊंचा हो गया है, जिससे मेट्रो के प्रवेश द्वार अवरुद्ध हो गए हैं। हांगकांग को इसके उत्तर में कॉव्लून प्रायद्वीप से जोड़ने वाला एक प्रमुख मार्ग क्रॉस हार्बर सुरंग जलमग्न हो गई। बारिश के कारण हांगकांग के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन भी हुआ, जिससे कुछ राजमार्ग अवरुद्ध हो गए। शुक्रवार दोपहर तक, बारिश कुछ हद तक कम हो गई थी और अधिकारियों ने बारिश की चेतावनी को ब्लैक से घटाकर एम्बर चेतावनी में बदल दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि शनिवार तक बारिश जारी रहने की उम्मीद है।

600 मिलियन डॉलर से अधिक के अवैध कारोबार के आरोप में चार भारतीय-अमेरिकी गिरफ्तार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। चार भारतीय-अमेरिकियों को न्यूयॉर्क में बिना लाइसेंस के धन प्रेषण व्यवसाय के माध्यम से 600 मिलियन डॉलर से अधिक की प्रोसेसिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी फिलिप आर. सेलिंगर ने बताया कि राज वैद्य, राकेश वैद्य, श्रेय वैद्य, व न्यू जर्सी के 26 वर्षीय नील पटेल पर गुरुवार को बिना लाइसेंस के धन प्रेषण व्यवसाय के संचालन और सहायता के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वकील ने कहा कि ग्रेट नेक, न्यूयॉर्क के 57 वर्षीय पांचवें व्यक्ति जानफ़र को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले में दायर दस्तावेजों और अदालत में दिए गए बयानों के अनुसार, राज, राकेश, श्रेय और नील 2019 से न्यूयॉर्क शहर के डायमंड डिस्ट्रिक्ट में हीरा, सोना और आभूषण कंपनियों का संचालन कर रहे थे। इन्होंने इन कंपनियों और अन्य संस्थाओं का इस्तेमाल ग्राहकों के लिए अवैध वित्तीय लेनदेन में सैकड़ों मिलियन डॉलर का संचालन करने के लिए किया। इसमें पर्याप्त शुल्क के बदले में नकदी को चेक या वायर ट्रांसफर में परिवर्तित करना शामिल है। उन्होंने एक ही दिन में लाखों डॉलर की नकदी भी स्थानांतरित की। उनकी कोई भी कंपनी न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी या वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क के साथ धन प्रेषण व्यवसाय के रूप में पंजीकृत नहीं थी।

पाकिस्तान में पुलिस ने तोड़ी मस्जिद

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शाहदरा टाउन में पुलिस ने शुक्रवार को अहमदी समुदाय की मस्जिद के मेहराब को नष्ट कर दिया। हाईकोर्ट ने अल्पसंख्यक समुदाय के 1984 से पहले बने पूजा स्थलों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई पर प्रतिबंध लगा दिया था।

ब्रिटेन में नशीली दवाओं के कारोबार में लिप्त भारतीय मूल के तीन लोगों को जेल

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन में डार्क वेब पर बड़े पैमाने पर नकली क्लास सी ड्रग सप्लाई ऑपरेशन चलाने के लिए भारतीय मूल के तीन लोगों को 24 साल की संयुक्त जेल की सजा सुनाई गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

63 वर्षीय एलन वैलेंटाइन, उनके 39 वर्षीय बेटे रोशन वैलेंटाइन और रोशन के बचपन के दोस्त 40 वर्षीय करुणाल पटेल को एक प्रकार की नशीली दवा बेंजोडायजेपाइन के उत्पादन और बिक्री के लिए गुरुवार को आइलवर्थ क्राउन कोर्ट में सजा सुनाई गई। जांच का नेतृत्व करने वाली मेट पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट ने कहा कि तीनों के अलग-अलग डार्क वेब बाजारों पर कई खाते थे और उन्होंने ज़ैनैक्स, डायजेपाम और पूर्व में वैलियम की बिक्री का विज्ञापन किया और कम से कम 2 मिलियन पाउंड का अवैध लाभ

कमाया।

अदालत ने एलन वैलेंटाइन को 11 साल, उनके बेटे रोशन को सात साल और पटेल को छह साल की जेल की सजा सुनाई। जांच का नेतृत्व करने वाले मेट की साइबर अपराध इकाई के जासूस कांस्टेबल एलेक्स हॉकिन्स ने कहा, तीन लोगों ने डार्क वेब पर बेची जाने वाली नकली फार्मास्युटिकल दवाओं का एक परिष्कृत, बड़े पैमाने पर उत्पादन चलाया, जो वास्तविक प्रतीत होती थीं। कुछ दवाओं में उन रसायनों से बिल्कुल अलग रसायन थे जो वास्तविक गोलियों में होने चाहिए; उनमें से कुछ बेहद खतरनाक थे। जासूसों ने जनवरी 2022 में जांच शुरू की, इसके बाद उन्हें पता चला कि तीन लोग एक्टन बिजनेस सेंटर में एक गोदाम इकाई का दौरा कर रहे थे, जहां से दवाओं का उत्पादन, पैकेजिंग और आपूर्ति की जाती थी। प्रत्येक व्यक्ति दैनिक आधार पर यूनिट का दौरा करता था, अक्सर दिन के अधिकांश समय तक यहीं रुकता था। करुणाल पटेल अक्सर बड़े बैग के साथ निकल जाता था और 10 से 15 मिनट बाद बैग में रखे सामान के बिना लौट आता था। उपयोगकर्ता क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान करके डार्क वेब पर दवाएं खरीदते थे। जासूसों ने पाया कि लोगों ने क्रिप्टोकरेंसी से दो मिलियन पाउंड को फिएट करेंसी (स्टर्लिंग) में बदल दिया। पुलिस ने इनके खाते फ्रीज कर दिए हैं। करुणाल पटेल को पिछले साल 17 अगस्त को यूके भर के पते पर पोस्ट करने के लिए लेबल किए गए 15 पार्सल के साथ गिरफ्तार किया गया था। उन पार्सलों के अंदर ज़ानाक्स और टेवा लिखी गोलियां थीं। दोनों बेंजोडायजेपाइन समूह के भीतर लाइसेंस प्राप्त दवाओं के ब्रांड नाम थे। रोशन और एलन वैलेंटाइन को बाद में उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने गोदाम की तलाशी ली और एक छिपी हुई प्रयोगशाला पाई, जहां बड़ी मात्रा में उपकरण और रासायनिक पदार्थों के कई कंटेनर पाए गए, साथ ही मौके पर निर्मित गोलियों के कई बक्से भी मिले।

बिलावल की मांग- 90 नहीं तो 120 दिनों के भीतर देश में कराए जाएं आम चुनाव

इमरान खान पर भी साधा निशाना

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने शुक्रवार को आह्वान किया कि यदि देश में संवैधानिक रूप से अनिवार्य 90 दिनों के भीतर चुनाव संभव नहीं हैं तो 120 के अंदर शीघ्र चुनाव कराए जाएं।

नेशनल असेंबली को नौ अगस्त को भंग कर दिया गया था। इसके बाद भंग होने के बाद 90 दिनों के भीतर आम चुनाव होने हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र की खबर के मुताबिक, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी पार्टी आगामी आम चुनाव में भाग लेने के लिए तैयार है। बिलावल ने कहा, 90 दिनों के भीतर चुनाव तुरंत कराए जाने चाहिए, यदि नहीं तो 120 दिनों के भीतर। पीपीपी ने आम चुनावों में किसी भी तरह की देरी का विरोध किया है। उनका यह बयान पाकिस्तान के चुनाव आयोग की इस घोषणा के एक हफ्ते बाद आया

है कि निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को 30 नवंबर तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा, ताकि चुनाव जल्द से जल्द हो सकें। पिछली सरकार ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से कुछ दिन पहले घोषणा की थी कि चुनाव केवल तभी हो सकते हैं जब नई जनगणना पूरी हो जाए और निर्वाचन क्षेत्र की नई सीमाएं खींची जाएं। पीपीपी गठबंधन सहयोगी थी। इस कदम से यह आशंका पैदा हो गई है कि 90 दिनों के भीतर होने वाले चुनाव में अगले साल तक की देरी हो सकती है क्योंकि परिसीमन प्रक्रिया को पूरा होने में लगभग चार महीने लगेंगे। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए चुनाव की तारीख की घोषणा की जाएगी। सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी आम चुनाव की तारीख की घोषणा करने पर विचार कर रहे हैं और वह अपने कानूनी सलाहकारों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद तारीख का खुलासा कर सकते हैं। खबर में कहा गया है कि राष्ट्रपति अल्वी ईसीपी को एक पत्र भेज सकते हैं, जिसमें चुनाव के लिए नवंबर में एक तारीख का प्रस्ताव दिया जाएगा। डॉन अखबार की खबर के अनुसार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान का जिक्र करते हुए बिलावल ने कहा कि देश पर थोपी गई कठपुतलियों ने नौ मई को संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि हमलों में भाग लेने वालों को सबक सिखाया जाना चाहिए ताकि कोई भी भविष्य में इसे दोहराने के बारे में न सोच सके। उन्होंने कहा, इस देश पर कठपुतली थोपने की प्रथा बंद होनी चाहिए। हम इस तरह के प्रयोगों को खत्म करना चाहते हैं और लोगों को फैसला करने देना चाहते हैं। अगर पाकिस्तान के लोग पीपीपी को चुनते हैं तो सभी को इसे स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने खान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आप कभी राजनेता नहीं रहे। आप प्रशिक्षण ले रहे हैं। आप केवल एक कठपुतली के रूप में उभरे। अर्धसैनिक रेंजर्स द्वारा खान की गिरफ्तारी के बाद नौ मई को पाकिस्तान में अशांति फैल गई थी जिसमें रावलपिंडी में सेना मुख्यालय और फैसलाबाद में आईएसआई की इमारत समेत दर्जनों सैन्य और सरकारी इमारतों में आग लगा दी गई थी।

विश्व के आधे से अधिक स्कूली आयु वर्ग के शरणार्थी बच्चे शिक्षा से वंचित : संयुक्त राष्ट्र

जिनेवा, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर ने कहा है कि दुनिया के 14.8 मिलियन स्कूली आयु वर्ग के शरणार्थी बच्चों में से आधे से अधिक वर्तमान में औपचारिक शिक्षा से वंचित हैं। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता विलियम स्पिंडलर ने शुक्रवार को यहां एक प्रेस वार्ता में बताया कि 2023 यूएनएचसीआर शरणार्थी शिक्षा रिपोर्ट के अनुसार, 2022 के अंत तक, स्कूल-आयु वर्ग के शरणार्थियों की संख्या एक साल पहले के 10 मिलियन से लगभग 50 प्रतिशत बढ़ गई। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि रिपोर्टिंग देशों में शिक्षा में शरणार्थी नामांकन शिक्षा स्तर के अनुसार नाटकीय रूप से भिन्न है। पूर्व-प्राथमिक स्तर में 38 प्रतिशत, प्राथमिक में 65 प्रतिशत, माध्यमिक में 41 प्रतिशत और तृतीयक में केवल छह प्रतिशत नामांकित हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दुनिया के 46 सबसे कम विकसित देशों में रहने वाले 20 प्रतिशत शरणार्थियों और निम्न और मध्यम आय वाले देशों में तीन-चौथाई से अधिक रहने के कारण, जबरन विस्थापित बच्चों को शिक्षित करने की लागत सबसे गरीब लोगों पर असमान रूप से पड़ती है।बचाने के लिए शनिवार को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय दिवस से पहले, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को अपने एक संदेश में कहा, इस दिन, हम एक चौंकाने वाली सच्चाई पर प्रकाश डालते हैं- 224 मिलियन बच्चे और युवाओं को शैक्षिक सहायता की तत्काल आवश्यकता है - इसमें 72 मिलियन वे लोग शामिल हैं, जो सशस्त्र संघर्ष जैसे संकटों के कारण स्कूल से बाहर हैं। उन्होंने सभी देशों से स्कूलों, बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

चीनी राजदूत ने भारत-नेपाल संबंधों पर की टिप्पणी, नेपाली सांसदों ने दी चेतावनी

काठमांडू, एजेंसी।
नेपाल के सांसदों ने भारत और नेपाल के बीच व्यापार संबंध को लेकर चीनी राजदूत की विवादास्पद टिप्पणियों पर शुक्रवार को चिंता व्यक्त की और राजदूत को अन्य देशों के संवेदनशील मामलों पर टिप्पणी करते समय अधिक सावधान रहने की चेतावनी दी। शनिवार को 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन और नेपाल में इसका प्रभावज्शीर्षक वाले एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेपाल में चीनी राजदूत चेन सोंग ने दावा किया कि भारत के साथ बिजली व्यापार में नेपाल व्यापार घाटे का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से, आपके पास भारत जैसा पड़ोसी है, लेकिन सौभाग्य से आपके पास भारत जैसा पड़ोसी है क्योंकि भारत एक विशाल बाजार है जिसमें अपार संभावनाएं हैं जिनका आप लाभ उठा सकते हैं। लेकिन नेपाल और अन्य पड़ोसियों के प्रति भारत की नीति इतनी अनुकूल नहीं है और नेपाल के लिए इतनी फायदेमंद नहीं है। इसलिए हम उसे बाधाओं वाली नीति कहते हैं। चेन ने काठमांडू में 'फाउंडेशन फॉर ट्रांस-हिमालयन रिसर्च एंड स्टडीज और 'फ्रेंड्स ऑफ सिल्क रोड क्लब नेपाल द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। खबरों के मुताबिक संसदीय समिति ने विदेश मंत्रालय से नेपाल-भारत बिजली व्यापार के मुद्दे पर राजदूत चेन की टिप्पणियों के संबंध में जांच करने को कहा है।

संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं पर्यटन समिति की बैठक में शुक्रवार को मामले की जानकारी लेने के लिए विदेश मंत्री एन पी सउद को बुलाया गया। समिति के सदस्यों ने चेन की हालिया टिप्पणियों पर चिंता जताई। संसद सूत्रों के अनुसार समिति के अध्यक्ष राजकिशोर यादव ने विदेश मंत्रालय से इस मामले की जांच करने का आग्रह किया और राजदूत से ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर टिप्पणी करते समय सावधानी बरतने के लिए कहा। यादव ने कहा, ''नेपाल एक संप्रभु राज्य है, यह हमारा मामला है कि हम क्या करते हैं और क्या नहीं करते हैं।

उन्होंने विदेश मंत्रालय से चीनी राजदूत की टिप्पणियों के बारे में जांच करने का आग्रह किया।

अमेरिका ने स्पेसएक्स का अगला प्रक्षेपण रोका

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी।
अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने स्पेसएक्स के लॉन्च को तब तक के लिए रोक दिया है, जब तक एलन मस्क द्वारा संचालित अंतरिक्ष कंपनी 60 से अधिक सुधारात्मक कार्रवाइयां पूरी नहीं कर लेती। एफएए ने अप्रैल में स्पेसएक्स की पहली कक्षीय परीक्षण उड़ान में दुर्घटना की जांच बंद कर दी है।

नियामक ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा, अंतिम रिपोर्ट 20 अप्रैल, 2023 की दुर्घटना के कई मूल कारणों और 63 सुधारात्मक कार्रवाइयों का हवाला देती है, जिन्हें स्पेसएक्स को दुर्घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए करना चाहिए। सुधारात्मक कार्रवाइयों में रिसाव और आग को रोकने के लिए वाहन हार्डवेयर का नया डिज़ाइन; इसकी मजबूती बढ़ाने के लिए लॉन्च पैड का नया डिज़ाइन, डिज़ाइन प्रक्रिया में अतिरिक्त समीक्षाओं को शामिल करना; स्वायत्त उड़ान सुरक्षा प्रणाली सहित सुरक्षा महत्वपूर्ण प्रणालियों

और घटकों का अतिरिक्त विश्लेषण और परीक्षण; और अतिरिक्त परिवर्तन नियंत्रण प्रथाओं का प्रयोग शामिल हैं।

नियामक ने कहा कि दुर्घटना की जांच बंद होने से टेक्सास के बोका चिका में स्टारशिप लॉन्च की तत्काल बहाली का संकेत नहीं मिलता है। इसमें कहा गया है, स्पेसएक्स को सार्वजनिक सुरक्षा को प्रभावित करने वाली सभी सुधारात्मक कार्रवाइयों को लागू करना होगा और एफएए से लाइसेंस संशोधन के लिए आवेदन करना होगा और प्राप्त करना होगा, जो अगले स्टारशिप लॉन्च से पहले सभी सुरक्षा, पर्यावरण और अन्य लागू नियामक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

एक्स पर एक पोस्ट में, मस्क ने कहा कि स्टारशिप लॉन्च के लिए तैयार है, एफएए लाइसेंस अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहा है। स्पेसएक्स ने कहा कि पहले स्टारशिप लॉन्च से सीखे गए सबक वाहन और जमीनी बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने में योगदान दे रहे हैं। मई में, कई पर्यावरण समूहों ने स्पेसएक्स के स्टारशिप रॉकेट लॉन्च के खतरों को टालने में विफल रहने के लिए यूएस एफएए पर मुकदमा दायर किया था। 20 अप्रैल को, स्पेसएक्स की सुपर हेवी रॉकेट का परीक्षण असफल हो गया था।

मोरक्को में भूकंप के दहला देने वाले झटके, 300 से अधिक लोगों की मौत

राबत, एजेंसी।
मोरक्को में शुक्रवार देर रात आए 6.8 तीव्रता के जोरदार भूकंप के बाद लोग घबराकर अपने-अपने घर छोड़कर भाग गए। भूकंप के कारण इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। देश के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई है। रात करीब 11:11 बजे भूकंप के झटके लगे। भूकंप का केंद्र मार्राकेश से 71 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 18.5 किलोमीटर की गहराई में था।

मोरक्को में आए भूकंप से अब तक 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कुछ वीडियो एक इमारत ढहती हुई और सड़कों पर मलबा दिखाई दे रहा है। लोगों को शॉपिंग सेंटर, रेस्तरां और

पड़े इलाकों में इकट्ठा होते हुए देखा जा सकता है। लोग डरे हुए हैं और दोबारा भूकंप आने की आशंका से बाहर रह रहे हैं। पीएम मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है। साथ ही उन्होंने मोरक्को को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया है। पीएम मोदी नो एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मोरक्को में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुख हुआ। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। इसके अलावा, न्यूजीलैंड के केरमाडेक द्वीप समूह के दक्षिणी क्षेत्र में भी शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गयी। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने यह जानकारी दी है। जीएफजेड के अनुसार भूकंप के झटके ग्रीनविच मिड टाइस के अनुसार आज सुबह करीब 09:09 बजे महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गयी है। भूकंप का केंद्र 33.23 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 178.17 डिग्री पश्चिमी देशांतर तथा सतह से 80.3 किमी की गहराई में स्थित था। भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

अमेरिका ने 10 लाख बैरल ईरानी तेल के कार्गो को किया जब्त; न्यायिक विभाग ने की पुष्टि, बढ़ सकता है तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यायिक विभाग ने शुक्रवार को बताया कि उन्होंने इस साल 10 लाख (एक मिलियन) बैरल ईरानी तेल के एक कार्गो को जब्त किया है। यूएस के इस कदम ने खाड़ी देशों की चिंता बढ़ा दी है। न्यायिक विभाग ने एक बयान में कहा, यह उस कंपनी से जुड़ा पहला आपराधिक प्रस्ताव है, जिसमें ईरान के तेल की अवैध बिक्री और परिवहनों की सुविधा देकर प्रतिबंधों उल्लंघन किया है। इसके परिणामस्वरूप 980,000 बैरेल कच्चे तेल को जब्त किया गया है। ईरान के तेल की जब्ती के बाद वॉशिंगटन ने तेहरान पर खाड़ी पार करने वाले कई जाहाजों को गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। हलांकि, ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय जल में ईरानी संपत्ति पर कब्जा करना समुद्री डकैती के बराबर बताया है। वहीं अमेरिका ईरान के तेल जहाजों को रोकने को कानून प्रवर्तन के रूप में मानता है। अगस्त में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि वाशिंगटन बढ़ते परमाणु खतरों को कम करने के लिए तेहरान के किसी भी कदम का स्वागत करता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि ईराम की हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को वापस लाने की प्रक्रिया जारी है।ब्लिंकन ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान की हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को वापस लाना एक पूरा अलग मुद्दा है। उन्होंने कहा, पिछले हफ्ते हमने पुष्टि की थी कि ईरान पांच अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है। साल 2015 के परमाणु समझौते में ईरान ने आर्थिक प्रतिबंध हटाने के बदले में अपने परमाणु विकास को घटा दिया था, जिसे अब पुनर्जीवित करना अमेरिका और ईरान दोनों के लिए मुश्किल हो गया है।

सार-समाचार

विभागीय स्टालों के माध्यम से हितग्राही मूलक योजनाओं का किया गया प्रचार प्रसार

गरियाबंद। भारत शासन के निर्देशानुसार अपर जिला एवं सत्र न्यायालय गरियाबंद में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत मे विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। इसी तारतम्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण आहार माह 2023 के तत्वाधान में व्यंजन एवं रंगोली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।व्यंजन एव रंगोली प्रदर्शनी के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विभिन्न प्रकार के पौष्टिक खाद्य पदार्थों के महत्व एवं गुणवत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया।उद्यानिकी विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के फलदार एवं उपयोगी पौधों का वितरण शिविर में आये पक्षकार लोगों को किया गया।इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग,विद्युत विभाग,लिड बैंक एवं उनके विभिन्न शाखाओं एवं नगर पालिका गरियाबंद के द्वारा भी योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं ऋण संबंधी मामलों का त्वरित निराकरण शिविर के माध्यम से किया गया।कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत आयोजित रंगोली एवं व्यंजनों का अवलोकन अतिथियों के द्वारा किया गया।साथ ही प्रदर्शनी में भाग लेने वाले विभिन्न प्रतिभागीयों को विशेष न्यायाधीश यशवंत वासनीकर,अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तजेश्वरी देवांगन,छाया सिंह,मुख्य न्यायीक मजिस्ट्रेट,प्रशांत कुमार देवांगन,न्यायीक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी,नरेन्द्र देवांगन अध्यक्ष अधिवक्ता संघ गरियाबंद के द्वारा उपहार एवं प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया।उक्त कार्यक्रम में अषोक कुमार पाण्डेय,जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग,चन्द्रहास साहू,परियोजना अधिकारी,एकीकृत बाल विकास परियोजना गरियाबंद, चन्दू साहू,परियोजना अधिकारी,एकीकृत बाल विकास परियोजना छुरा,एवं समस्त पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास जिला गरियाबंद उपस्थित थे।

भाजपा वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद ही हमारी पूंजी - रंजना साहू

धमतरी। ग्राम मड़ईभाठा में विधायक निधि से स्वीकृत मंच के सामने शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं जनपद निधि से स्वीकृत शीतला मंदिर प्रांगण में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के करकमलों से मंडल पदाधिकारीयों व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित ग्रामीणों को श्रीफल एवं भाजपा गमछा पहनाकर अभिनंदन किया गया एवं ग्रामीण वरिष्ठ मातृशक्तियों का गमछा पहनाकर विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने आशीर्वाद लिए। विधायक रंजना साहू ने कहा कि भाजपा वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद ही हमारी पूंजी है,वरिष्ठों के मार्गदर्शन से भारतीय जनता पार्टी की युवासाथी संगठन को मजबूत बना रहे हैं, और देशहित में अपना योगदान दे रहे हैं, निरंतर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने जनहित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाएं लागू किए , जिसका लाभ जनता को मिल रहा है, अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति को भी लाभ मिले इस सोच के साथ प्रधानमंत्री जी कार्य कर रहे हैं। आमदी मंडल अध्यक्ष मुरारी यदु ने कहा कि मोदी जी ने 9 वर्षों के कार्यकाल में नए भारत में इतिहास की रचना किए, केंद्र सरकार ने प्रत्येक व्यक्ति को लाभान्वित किया, सभी को योजनाओं की लाभ मिला। जिला पंचायत सदस्य दमयंती साहू ने ग्रामवासियों को निर्माण कार्यों के लिए बधाई दिए एवं वरिष्ठ जनों से आशीर्वाद लिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से जनपद सदस्य मानिक लाल साहू, जनपद सदस्य जागेश्वरी साहू, मंडल महामंत्री अमन राव, ग्राम पंचायत सरपंच पुष्पा चंद्रशेखर साहू, ग्राम पटेल महेश यदु, राधेश्याम पवार, सहदेव राम, बिसौहा राम, जीवन साहू, अवध राम, शांतनु राव, संपत यदु, किशन यादव, कमलेश यदु, डेरहा राम, गणपत यादव, वीरेंद्र साहू, संतोष प्रजापति, मुकेश साहू, नानक चंद्र, रमन पाटकर, रेवा साहू, उत्तम प्रजापति, अलख प्रजापति, रमेश यदु, हीरामन निषाद, धर्मेंद्र साहू, देवेंद्र निषाद, मिलाप साहू, कन्हैया निषाद, पदमा निर्मलकर, गिरीश पवार, विमल चांद, गोदावरी निषाद, पराग यदु, द्रौपदी ध्रुव, जमुना ध्रुव, किरण यादव, पुष्पा यादव, सदानंद यादव, जितेंद्र साहू, यशवंत निषाद, मोहन साहू, भागवत यदु, सुरेश ध्रुव, अशोक ध्रुव, गौतम निषाद, सालिक प्रजापति, कमलेश्वर निषाद, रामजी, नंदराम ध्रुव, संतोषी त्रिलोचन सेन, उमेश देवांगन, राजेंद्र चंद्रवंशी सहित पंचगण व ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक दावेदार संजय नेताम का अमलीपदर क्षेत्र के ग्राम मुड़गेलमाल व कुहिमाल में जनआशीर्वाद यात्रा

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य सहित गरियाबंद जिले के दोनो विधानसभा राजिम और बिन्द्रानवागढ़ क्षेत्र में विधायक टिकट के दावेदारों सहित संभावित प्रत्याशियों का जनसम्पर्क और लोगो से भेट मुलाकात करने का सिलसिला जारी है।इसी के तहत बिन्द्रानवागढ़ क्षेत्र में विधायक दावेदार संजय नेताम के द्वारा जनआशीर्वाद की यात्रा को अविरत बनाते हुए बिंद्रानवागढ़ विधानसभा के अमलीपदर क्षेत्र स्थित ग्राम मुड़गेलमाल व कुहिमाल में वरिष्ठजनों,ग्राम पटेलों तथा झाँकर पुजारियों, बैगाओं से जनसंपर्क कर शॉल,धोती व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

प्रदेश की प्राथमिक शाला का प्रथम खेल खिलौना संग्रहालय

भारती ने किया अपने प्राथमिक शाला में खेल खिलौने संग्रहालय की स्थापना

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति व माननीय मुख्यमंत्री जी की आकांक्षाओं अनुरूप खेल खिलौना संग्रहालय

पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी ने किया खेल खिलौना संग्रहालय का शुभारम्भ

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट : प्रदेश में बहुत सारे पुरा महत्त्व के संग्रहालय स्थापित है , जो जन सामान्य को पौराणिक व ऐतेहासिक जानकारी देते है । पर शासकीय प्राथमिक शाला पौसरी की एक शिक्षिका भारती वर्मा ने अपने शाला में एक अनोखे संग्रहालय की स्थापना की है , जिसे नाम दिया है खेल खिलौना संग्रहालय । जहां पर विभिन्न प्रकार के खेल खिलौनों की जानकारी सहज ही उपलब्ध है । यहाँ पर आप लकड़ी, मिट्टी, कागज़,गत्ते व घर के अनुपयोगी वस्तुओं से बने खिलौनों को देख सकते है । ये खिलौने न सिर्फ खेलने के लिए बल्कि बच्चों को उनके पुस्तक के पाठ को समझने में सहायता करते है । खास बात ये भी है कि सभी खिलौने शिक्षिका व बच्चों ने मिलकर अलग अलग समय पर शाला में ही खिलौना निर्माण कार्यशाला लगाकर तैयार किया है । संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के पारम्परिक व स्थानीय खेलो व खिलौनों को संग्रहित व संरक्षित करने का एक नवाचारी पहल किया है ।

समुदाय के सहयोग से स्थापित- शिक्षिका भारती वर्मा ने बताया कि मन में विचार आया कि क्यों न छत्तीसगढ़ के सभी पारम्परिक व स्थानीय खेल खिलौनों को एक छत के निचे एकत्र कर बच्चों को उनसे अवगत कराया जाय ताकि बच्चें उन्हें जान सके और खेलों के महत्व को समझ सके । शाला की प्रधान पाठक पुष्पलता नायक के प्रेरणा से स्थानीय पर्व छेरछेरा के तर्ज पर मै घर-घर जाकर पुराने खिलौनों को इकठ्ठा करने का काम करने लगी । प्राप्त खिलौने कुछ उपयोगी व कुछ अनुपयोगी थे । पुराने बुजुर्गो से स्थानीय व प्रचलित खेलों की जानकारी भी एकत्र की , जो आज के बच्चे नहीं खेलते है या अब मोबाइल के युग में प्रचलन में नहीं है । संग्रहालय के भौतिक निर्माण में ग्राम के चंद्रशेखर साहू जी व ठगेश बारले जी ने आर्थिक सहयोग भी किया । इस तरह से मेरा एक छोटा सा प्रयास आकार ले पाया । सीमित संसाधन में अधिकतम खेल खिलौनों को सहेजने का प्रयास है । ताकि अन्य शाला के शिक्षक भी इससे प्रेरित होकर बेहतर कर सके ।

नई राष्ट्रीय शिक्षा के अनुरूप- नई राष्ट्रीय शिक्षा 2020 में खेल आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है ताकि बच्चे खेल खेल में आनंदमयी तरीके से पाठ की अवधारणाओं को सीख व समझ सके । खिलौने न सिर्फ बच्चों का मनोरंजन करते है बल्कि बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामजिक व सामुदायिक भावना का भी विकास करते है । हृष्श्वत्रङ्म के निर्देशों अनुरूप शाला में जादुई पिटारा का निर्माण भी किया गया है , जिसे कक्षा 1 व 2 के बच्चों को सिखाने के लिए उपयोग किया जाता है । जादुई पिटारा का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ है ।

खेल खिलौना संग्रहालय क्यों – हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल जी ने 5 से 6 वर्षों के बच्चों के बेहतर शिक्षा के लिए नई शिक्षा नीति का शुभारम्भ किया है , जिसका नाम छत्तीसगढ़ बालवाडी योजना रखा गया है , इसमें जितने भी आंगनवाडी केंद्र शाला परिसर में है उसे बालवाडी के रूप में परिवर्तित किया जा रहा । जिसमें से एक शाला हमारा भी है । इस योजना का शुभारंभ 'जाबो बालवाड़ी बढ़ाबो शिक्षा के गाड़ी' थीम के साथ किया गया है। जिनमें खेल-खेल में बच्चों के सिखने एवं समझने की क्षमता में विकास किया जाएगा । माननीय मुख्यमंत्री जी ने स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने व संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ ओलम्पिक का आयोजन गाँव गाँव में कराया है । जिसमे सभी आयु वर्ग के बच्चे ,जवान ,बुजुर्ग स्त्री पुरुष भाग ले सकते है । शासकीय शालाओं में खेल गढ़िया के तहत खेल सामाग्रियां प्रदाय की जा रही है । माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों व आकांक्षाओं को हमारा खेल खिलौना संग्रहालय पूरा करने का प्रयास कर है । इसी उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए हमने हमारे शाला के बच्चों को खेल खिलौने के महत्त्व से परिचित कराने के लिए शाला स्तर पर उन्हें प्रदर्शित,संरक्षित व शैक्षिक उपयोग करने के लिए एक संग्रहालय स्थापित करने का प्रयास किया है और उसे खेल खिलौना संग्रहालय का नाम दिया है ।

पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी ने किया खेल खिलौना संग्रहालय का शुभारम्भ- इस अनोखे नवाचारी खेल खिलौना संग्रहालय का शुभारम्भ छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी जी ने किया । इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच उमेश्वरी बारले, जनपद सदस्य हेमिन साहू , शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष धनीराम साहू , चंद्रशेखर साहू, ठगेस बारले, विकासखंड शिक्षा अधिकारी राकेश सिंह,एबीईओ डी.एस.ठाकुर,बीआरसी एस.के.पाटकर, प्रधान पाठक पुष्पलता नायक, कांग्रेस नेता चन्दकुमार साहू, छाया विधायक सुनील माहेश्वरी जी, टगन बराले जी, पत्रकार चंद्रप्रकाश टोंडे जी विकासखंड के संकुल समन्वयक , अन्य शालाओं के शिक्षक सहित ग्रामीण३जन उपस्थित रहे ।

ई-जनचौपाल में 58 आवेदन प्राप्त, निराकरण हेतु अधिकारियों को दिये निर्देश

अशोक जैन की क़लम

कांकेर – जिले में प्रति सोमवार को ई-जनचौपाल का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा लोगों की समस्या व षिकायतें सुनी जा रही है तथा उनका विधिवत निराकरण किया जा रहा है। आज आयोजित इस जनचौपाल में अपर कलेक्टर श्री एस. अहिरवार ने जनपद कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा कांकेर विकासखण्ड के ग्रामीणों से जिला कार्यालय में प्रत्यक्ष मुलाकात कर उनकी समस्या व शिकायतों से अवगत हुए और समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। आज सोमवार को आयोजित ई-जनचौपाल में 58 आवेदन प्राप्त हुए तथा उसके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। ई-जनचौपाल में अंतागढ़ विकासखण्ड से 01 आवेदन, भानुप्रतापपुर विकासखण्ड से 07, चारामा विकासखण्ड से 03, दुर्गूकोंदल विकासखण्ड से 02 और पखांजूर विकासखण्ड से 02 लोगों ने जनपद कार्यालय में उपस्थित होकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा 43 व्यक्तियों द्वारा जिला कार्यालय में उपस्थित होकर अपर कलेक्टर श्री एस. अहिरवार को अपनी समस्या से अवगत कराया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर मनीष मिश्रा, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी विरेन्द्र जायसवाल, विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता सतीश किण्डों, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे।

दंतेवाड़ा, आरक्षित सीटों से चुने गए कांग्रेस बीजेपी का राजनेता अपने खुद का समाज को सुरक्षित करने में असमर्थ – पंत

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) सामाजिक कार्यकर्ता एवं भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि। सुकमा जिला ताड़मेटला में मूल आदिवासी दो किसानों की पुलिस द्वारा खुलेआम गोली मारकर निर्मम हत्या किया जाना साबित करता है कि कांग्रेस बीजेपी पार्टी का राजनेता आदिवासी विरोधी होने का सबूत पेश करता है। आरक्षित सीटों से कांग्रेस बीजेपी पार्टी के टिकट से चुनाव लड़कर जीत रहे है वे नेता गण।अपने खुद का समाजों के साथ हो रहे अन्याय अत्याचार निर्मम हत्या होने से बच्चा नहीं पा रहे है।आदिवासी समाज से जो कांग्रेस बीजेपी पार्टी में राजनेता बने हैं एवं जनता के द्वारा चुने गए हैं वे राजनेता अपने खुद के मूल आदिवासी समाज किसानों को सुरक्षित रक्षित नहीं करवा पा रहे हैं खुलेआम निर्माण हत्या किया जा रहा है बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण की बात है।आरक्षित सीटों से चुने तो गए हैं परंतु पार्टी का राजनेता बनकर रह गए हैं सर्व समाजों एवं जनता का नहीं है। सर्व समाजों की जनता के लिए राजनेता बने होते तो अपने खुद के समाजों के साथ हो रहे पुलिस के द्वारा निर्मम हत्या अन्याय अत्याचार नहीं होता। आरक्षित सीटों से एवं बीजेपी कांग्रेस पार्टी के टिकट से चुने गए जनप्रतिनिधि राज नेता पार्टी का पूंजीपति बड़े शीर्ष नेतृत्व कर्ताओं का गुलामी करने में लगे रहने का कारण मूल आदिवासी किसानों को अपनी जान देकर कीमत चुकाना पड़ रहा है। आरक्षित सीटों से चुने गए जनप्रतिनिधि राजनेता एक परसेंट भी ईमानदारी के साथ जल जंगल जमीन खनिज पर्यावरण को बचाने का क्षेत्र में एवं सर्व मूल आदिवासी किसानों का मूल हक अधिकार को सुरक्षित संरक्षित करने का क्षेत्र में काम कर रहे होते तो आज मूल निवासी सर्व आदिवासी समाजों को अपनी जान गवाना नहीं पड़ता।अन्याय अत्याचार सहना नहीं पड़ता।धरना रैली करना नहीं पड़ता। न्याय प्राप्त करने हेतु दर-दर का ठोकरें खाना भटकाना नहीं पड़ता। सर्व मूल समाजों को सभी विषयों पर गंभीरता पूर्वक चिंतन मनन करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री आज नगरी में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के निर्माण कार्यों का करेंगे लोकार्पण

नगरी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल कल को नगरी के मुकुंदपुर में आयोजित समारोह में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के तहत कराए गए निर्माण कार्यों का लोकर्पण करेंगे। नगरी के मुकुंदपुर में 8 करोड़ 29 लाख रूपए की लागत से भगवान श्रीराम जी की प्रतिमा, श्री राम वाटिका, दीप स्तंभ, एलइडी ब्राडिंग, सप्तऋषि की मूर्तियां, प्रवेश द्वार, 01 कॉटेज, पार्किंग, एप्रोच रोड, पर्यटक सूचना केन्द्र, कलवर्ट निर्माण, कॉटेज निर्माण, लॉन डव्हलपमेंट, सीसीटीवी, यज्ञशाला, जनसुविधा केन्द्र, ड्रेन, विद्युतीकरण, ओव्हरहेड वॉटर टैंक, स्टेयर्स, सीढ़ी निर्माण, मॉडयूलर शॉपं, सप्तऋषि स्थल का विकास, साइनेजेस, गजीबो, बाउण्ड्रीवॉल, साइट डव्हलपमेंट, गार्ड रूम का निर्माण किया गया है वन्ही श्रृंगी ऋषि आश्रम सिहावा में करटेन वॉल (म्यूरल के साथ), प्रवेश द्वार, रेलिंग एवं शेड निर्माण, गजिबो, सौदर्यीकरण, विद्युतीकरण, यज्ञशाला (पहाड़ी पर), इंटरनल प्लम्बिंग, श्रृंगी ऋषि आश्रम में स्थित हनुमान मंदिर का सौदर्यीकरण, पाथवे का विकास, जनसुविधा केन्द्र का जीर्णोद्धार कार्य कराया गया है, जिनका मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल लोकार्पण करेंगे।

विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर गरियाबंद पुलिस ने वाहनों की जांच की

गरियाबंद। विधानसभा चुनाव की घोषणा होने के साथ ही वाहनों में अवैध परिवहन को रोकने पुलिस विभाग सतर्क हो गई है।जिसमे गरियाबंद सिटी कोतवाली के सामने कोतवाली पुलिस द्वारा हर रात रायपुर से गरियाबंद देवभोग जाने और आने वाले वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ राज्य में विधानसभा सभा की तिथि तय होने के साथ कई विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशियों की घोषण भी किया जा चुका है ,वही प्रत्याशियों का नाम घोषणा के साथ ही चुनावी सरगर्मी भी तेज होने लगी है। साथ ही चुनाव घोषणा के साथ ही गरियाबंद जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक द्वारा चुनाव को निष्पक्ष और शांति पूर्वक सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न निर्देश जारी किए है ,जिसके तहत शराब परिवहन व भंडारण के साथ चुनाव में अनैतिक तरह से उपयोग होने वाले सामाग्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए वाहनों की जांच अनिवार्य रूप से करने का निर्देश जारी किया गया है।उस निर्देश के तहत गरियाबंद मुख्यालय में हर रात शहर से गुजरने वाले निजी वाहनों की जांच के साथ वाहन का नम्बर चालक और वाहन मालिक का नाम नोट किया जा रहा है।

किसान संगठन बासनवाही साइ मुंडा क्षेत्र को सुखा ग्रस्त घोषीत करने की मांग को लेकर पदयात्रा रैली निकाली कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अशोक जैन की क़लम से

कांकेर। बासनवाही क्षेत्र के ग्राम पंचायत साईमुंडा, कोटलभट्टी छापरपारा गढ़िया पारा छिड़का पारा अलबेला पारा बासनवाही के किसान अल्प वर्षा के कारण सूखे से अधिक प्रभावित हुए है लो वेल्टेज और जल के नीचे गिरते स्तर के कारण जो थोड़ा बहुत कुछ किसानो का फसल था ओ भी सूखने लगा है क्षेत्र के किसान बहोत ज्यादा चिंतित और परेशान हैं जिसको लेकर आज बासनवाही क्षेत्र किसान संगठन के द्वारा सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर बासन वही साइश्रमुंडा के किसानों ने आज पदयात्रा रैली बासनवहीं से 45 किलोमीटर जिला मुख्यालय कांकेर तक पदयात्रा एवं ट्रैक्टरों के माध्यम से रैली निकाली एवं जिला मुख्यालय कांकेर पहुंच कर कलेक्टर को सूखा प्रभावित क्षेत्र घोषित कराने की मांग किए जिसमे मुख्य रूप से क्षेत्र के किसान संदीप द्विवेदी नकुल निषाद प्रकाश द्विवेदी राजकिशोर नाग टिमेश नेताम कमलेश मरकाम जनक प्रसाद जागेश्वर रविंद्र कुमार गमेंद्र नेताम गौतम मरकाम संकर लाल उमिल मेहर सिंह मिथलेश बाबू लाल हीरा सिंह प्यारी लाल कैलाश नागेश चंद्रभान साहू और क्षेत्र के लगभग 2000 किसान शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

दो नाबालिग लड़किया लापता

रायपुर। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो नाबालिग लड़कियां लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय प्रार्थिया ने गंज थाना में शिकायत किया कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री 6 सितंबर से गायब है। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। इसी तरह दूसरे मामले में 60 वर्षीय प्रार्थी ने तेलीबांधा थाना में शिकायत किया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री 24 अगस्त से लापता है। काफी खोजबीन के बाद भी जब कोई जानकारी नहीं मिली तो उसने इसकी शिकायत तेलीबांधा थाना में की। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपरहण का मामला दर्ज किया है।

युवक ने पिता से की मारपीट

रायपुर। शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर एक युवक अपने पिता से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर गंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जमीर अहमद 60 वर्ष सुभाष नगर गंज का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी का लड़का आरोपी समीर अहमद ने प्रार्थी से शराब पीने के लिए पैसा मांगा। प्रार्थी द्वारा नहीं देने पर आरोपी ने प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर गंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 327 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दो भाई आपस में भिड़े

रायपुर। सतनामीपारा गुढियारी में दो सगे भाई आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पख से प्रार्थिया प्रीति सेन 27 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी देवर वेदप्रकाश सेन 34 वर्ष ने उसके पति नरेश कुमार सेन से गाली-गलौज कर हसिया से मारकर चोट पहुंचाया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थी वेदप्रकाश सेन ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी नरेश कुमार सेन ने शराब के नशे में अपनी पत्नी से विवाद कर रहा था। जिससे मना करने पर प्रार्थी से गाली-गलौज कर हसिया से मारकर चोट पहुंचाया। दोनों पक्षों की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

छाटा रोड से बाइक पार

रायपुर। छाटा रोड गोबरानवापारा में खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी शंकरलाल वर्मा 57 वर्ष ग्राम तर्री का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एमआर 9178 को छाटा रोड में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 22000 रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

वाहन की टक्कर से बिजली ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त

रायपुर। ग्राम पिरदा कचना चौक के पास वाहन चालक ने बिजली ट्रांसफार्मर एवं डीपी पोल को ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी धर्मेन्द्र कुमार साहू 40 वर्ष छत्तीसगढऋ विद्युत मंडल वितरण केंद्र माना का रहने वाला है। बताया जाता है कि वाहन क्रमांक सीजी 08 एएच 7611 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ग्राम पिरदा कचना चौक के पास बिजली ट्रांसफार्मर एवं डीपी पोल को ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया।

अवैध शराब बेचते तीन गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीम ने अवैध शराब बेचते तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 60 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार उरला पुलिस ने आर्शीवाद धरमकांटा के पास अवैध शराब बेचते आरोपी राकेश निषाद 29 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 33 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी जगदीश वाधवानी 47 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 12 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 550 रुपए जब्त किया है। इसी तरह विधानसभा पुलिस ने आरोपी जितेन्द्र तांडी 21 वर्ष के पास से 15 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 400 रुपए जब्त किया है।

तेंदुआ दिखने के बाद से ही क्षेत्र में दहशत व्याप्त

रायपुर। कांकेर जिले के वन परिक्षेत्र अंतर्गत शहर के आदर्श नगर वार्ड से लगे पहाड़ी में एक तेंदुआ दिखाई देने के बाद से ही क्षेत्र में दहशत व्याप्त है। उक्त तेंदुए का कुछ लोगों ने वीडियो बना लिया था यह वीडियो अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में तेंदुओं को पहाड़ के चट्टानों पर आते-जाते और आराम करते हुए देखा जा सकता है।

पशुपालन को बढ़ावा देने से खेती किसानी की तरक्की होती है

पशुधन को बढ़ावा देने वाली योजनाओं की वजह से प्रदेश में बढ़ा दूध उत्पादन..

■ कोसरिया यादव महासभा द्वारा दुर्ग में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल

रायपुर/ संवाददता

कृषि के साथ ही पशुधन को बढ़ावा देने की शासन की नीतियों की वजह से प्रदेश में दूध उत्पादन तेजी से बढ़ा है। पशुपालन को बढ़ावा देने से खेती किसानी की तरक्की होती है और किसानों की तरक्की पर ही व्यापार-व्यवसाय की तरक्की निर्भर है। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास की नवाचारी योजनाओं और इनके क्रियान्वयन से आर्थिक विकास का बेहतर माहौल तैयार हुआ है। यह बात मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जिला मुख्यालय दुर्ग के पुराना बस स्टैंड में कोसरिया यादव महासभा द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने समाज के सदस्यों को जनमाष्टमी की बधाई दी। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण यादव समाज के आराध्य हैं। समाज द्वारा आज श्रीकृष्ण जनमाष्टमी के अवसर पर सुंदर शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। भगवान कृष्ण के विभिन्न रूपों में हम दर्शन करते हैं। उनसे प्रेरणा ग्रहण करते हैं। छत्तीसगढ़ में हमारा उद्देश्य सभी समाजों को बढ़ावा देना है। प्रदेश के निर्माण में सभी समाजों की भागीदारी हो। सभी समाज अपने रचनात्मक कार्यों से प्रदेश को आगे बढ़ाने में हिस्सा दें इसके लिए हमने विभिन्न समाजों को बाजार भाव से काफी कम दाम पर माँग अनुरूप भूमि उपलब्ध कराने का निश्चय किया। इसका लाभ बहुत से समाजों ने उठाया है। समाजों द्वारा इस तरह भूमि क्रय कर लेने पर उन्हें भवन बनाने यथासंभव राशि भी प्रदान की गई है। इससे सामाजिकजनों को काफी लाभ हुआ है। शादी-ब्याह तथा अन्य आयोजनों में इन समाजों को सस्ते दरों में भवन मिल पा रहा है। रचनात्मक आयोजनों के लिए समाज को बेहतर जगह मिल पा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यादव समाज की ओर से भी ऐसी माँग आई है। वे कलेक्ट्रेट में इसके लिए आवेदन कर लें। जमीन मिलने पर भवन के लिए सरकार द्वारा राशि उपलब्ध करा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि सरकार द्वारा रोजगार सृजन के लिए भी बड़े पैमाने पर कार्य किये गये हैं। सरकारी सेवाओं में नियुक्तियों के साथ ही कौशल विकास पर भी हमारा जोर रहा है। रीपा आदि के माध्यम से उद्यमशील युवाओं के लिए उद्यम के अवसर पैदा हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शोभा यात्रा में शामिल लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कोसरिया यादव समाज दुर्ग के अध्यक्ष श्री बोधन यादव ने स्वागत भाषण में समाज की विभिन्न मांगों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। कार्यक्रम में दुर्ग विधायक श्री अरुण वोरा, भिलाई विधायक श्री देवेन्द्र यादव, दुर्ग महापौर श्री धीरज बाकलीवाल, भिलाई महापौर श्री नीरज पाल, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष श्री आर.एन. वर्मा और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र साहू एवं कोसरिया यादव समाज के अन्य पदाधिकारी तथा समाज के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री गौवंश मोबाइल चिकित्सा योजना का मिल रहा बेहतर परिणाम.....

■ मूक पशुओं के त्वरित उपचार सुविधा से पशु मालिकों में खुशी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में पशुधन के संरक्षण व संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप चलाए जा रहे मुख्यमंत्री गौवंश मोबाइल चिकित्सा योजना का ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर क्रियान्वयन हो रहा है। राज्य के ग्रामीण अंचल एवं शहरी इलाकों के श्रमिक बस्तियों के लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संचालित मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना एवं मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की तर्ज पर ही अब गांव-गांव में पशुधन के इलाज के लिए मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट की शुरूआत की गई है, जिसके जरिए पशुधन चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भधान की सुविधाएं मिलने लगी है। राज्य में मुख्यमंत्री गोवंश मोबाइल चिकित्सा यूनिट की शुरूआत 20 अगस्त को की गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महासमुन्द में आयोजित कार्यक्रम में इस योजना के तहत 50 वेटनरी मोबाइल यूनिट को हरी झण्डी दिखाकर लोकार्पित किया। जिले के धमतरी, कुरूद, मगरलोड और सिहावा विकासखंड में मोबाइल वेटनरी यूनिट का लाभ पशुपालकों को मिलने लगा है। धमतरी विकासखंड के ग्राम अछोटा में बीते दिन गौठान में लगे शिविर में पहुंचे नवागांव कंडेल निवासी पशुपालक रामेश्वर साहू ने बताया कि उसके पास 7 दुधारू गाये है। कुछ दिन से एक गाय, जो की अच्छी नस्ल की है, उसे डायरिया हो गया था। जिसके कारण वह सही तरीके से नहीं खा पी रही थी। जिसका असर दूध उत्पादन पर भी पडने लगा। बातचीत के दौरान उनके बेटे ने बताया कि शासन द्वारा हाल ही में पशुधन के इलाज के लिए एक नई योजना प्रारंभ की गई है, जिसका टोल फ्री नंबर 1962 है।

राजस्व मंत्री के शह पर हो रहा अवैध कार्य-भाजपा प्रत्याशी..

रायपुर/ संवाददाता

कांग्रेस के खिलाफ गंभीर आरोप लगा कोरबा विधानसभा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह ने कोरबा नगर विधायक व राजस्व मंत्री पर भाजपा ने पलटवार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं उनका आरोप है कि जिले में जितने भी अवैध कार्य हो रहे हैं उन पर मंत्री का संरक्षण है । पुलिस ने कांग्रेस नेता पर जो कार्यवाही की है वह जायज है, इसी तरह अपराधियों पर लगातार कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि इसके विरोध में कुछ कांग्रेस के पदाधिकारीयो ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, यह उनकी समझ है । लेकिन भाजपा का मानना है कि वर्तमान में सरकार के सहयोग में जितने भी गलत कार्य हो रहे हैं उस पर अंकुश लगाने की जरूरत है । भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह तथा भाजपा के कोरबा विधानसभा के प्रत्याशी लखन लाल देवांगन ने पत्रकारों के समक्ष उक्त बातें कहीं। जिला अध्यक्ष ने साफ तौर पर राजस्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके खास समर्थक विकास सिंह जो वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव पद पर काबिज है । उसके खिलाफ पुलिस में गंभीर अपराध दर्ज है, इसी मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल दाखिल कर दिया है । भारतीय जनता पार्टी ने मांग करते हुए कहा कि यदि कांग्रेस में नैतिकता है तो तत्काल विकास सिंह को बर्खास्त कर राजस्व मंत्री के खिलाफ भी कार्यवाही करनी चाहिए । पुलिस ने एक आदिवासी महिला की शिकायत पर विकास सिंह के खिलाफ कार्रवाई की है, लेकिन जिले के कुछ कांग्रेसियों को यह रास नहीं आ रहा है।

नई दिल्ली में भारत मंडपम में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष अज़ाली असौमानी के साथ बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

क्या प्रदेश सरकार असामाजिक तत्वों से डरी हुई-केदारनाथ.....

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों, गैंगरेप की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। प्रदेश में अपराधियों पर पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है, और कांग्रेस के कुशासन के चलते छत्तीसगढ़ अब पूरी तरह अपराधगढ़ बन गया है और प्रदेश जंगलराज कायम हो गया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा है कि भाजपा शीघ्र ही प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के नेतृत्व में प्रदेश की राजधानी से लेकर हर शहर-नगर और गाँवों में लगातार बढ़ रहे अपराधों के परिप्रेक्ष्य में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मिलेगी और प्रदेश के कुशासन, बढ़ते अपराधों, महिला असुरक्षा आदि मुद्दों पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ शिकायत करेगी। भाजपा राज्यपाल हरिचंदन को इस बात से भी अवगत कराएगी कि प्रदेश सरकार अपनी प्रशासनिक क्षमता खो चुकी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने शुक्रवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार के राज में छत्तीसगढ़ ने अपराधगढ़ के नाम से अपनी पहचान बना ली है, जहां आये दिन चाकूबाजी, हत्या, लूट और महिलाओं के प्रति हिंसक घटनाओं में वृद्धि हुई है। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे अपराधों को सामूहिक रूप से अपराधियों द्वारा एक साथ अंजाम दिया जा रहा है। श्री गुप्ता ने कहा कि अपराधों का बढ़ता ग्राफ बताता है कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों के मन से कानून के राज और शासन-प्रशासन को खौफ खत्म हो गया है।

संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने नफरत छोड़ो भारत जोड़ो यात्रा निकाली

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के एक वर्ष पूर्ण होने पर रायपुर पश्चिम विधायक विकास उपाध्याय ने गुरुवार को अपने विधानसभा के सभी ब्लॉकों में नफरत छोड़ो भारत जोड़ो यात्रा निकाली। आज की यह भारत जोड़ो यात्रा रायपुर पश्चिम विधानसभा के सरदार वल्लभभाई पटेल ब्लॉक, नेताजी कन्हैयालाल बाजारी ब्लॉक, और शहीद भगतसिंह टाटीबंध ब्लॉक में निकाली गई, जिसमें विधायक विकास उपाध्याय के साथ रायपुर शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष गिरीश दुबे भी शामिल हुए और क्षेत्र के सैकड़ो कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने नफरत छोड़ो भारत जोडो यात्रा में हिस्सा लिया। विकास उपाध्याय ने बताया कि, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी ने पैदल चलकर देश को संदेश देने का काम किया।अनेकता में एकता का, आपसी सद्भाव, देशप्रेम, भाईचारा रहे, हर धर्म हर वर्ग के लोग आपस मे मिलजुल कर देश निर्माण में अपना सहयोग दे, इस खूबसूरत संदेश को लेकर राहुल गांधी ने आज ही के दिन 7 सितंबर को कन्याकुमारी से यात्रा का शुभारंभ किया था। इस यात्रा में हमारे नेता राहुल गांधी को हर वर्ग का अभूतपूर्व समर्थन मिला था।

गांव के हर घर में पोषण बाड़ी बनाई-ज्योति पटेल

■ बीजापुर, नैमेड़ नयापारा आंगनबाड़ी केंद्र के सभी बच्चे कुपोषण से बाहर हुए

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की परिकल्पना साकार होने लगी है। जिला बीजापुर अंतर्गत एकीकृत महिला बाल विकास परियोजना बीजापुर सेक्टर के नयापारा नैमेड़ गांव के हर घर में पोषण बाड़ी बनाई तो केंद्र के सभी बच्चे कुपोषण से बाहर हुए। गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में हरी साग सब्जियां लगाकर पोषण बाड़ी तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कुपोषण को दूर करने के लिए हर घर में पोषण बाड़ी बनाने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे है। इसका साकारात्क परिणाम भी देखने को मिल रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ज्योति पटेल द्वारा पोषण बाड़ी की हरी साग सब्जी को गर्म भोजन बच्चों और महिलाओं को खिला रही है। ज्योति पटेल अपने सेक्टर सुपरवाईजर के साथ प्रत्येक हितग्राहियों के घर गृहभेंट करके पोषण बाड़ी बनाने और खान पान में हरी साग सब्जियों को शामिल करने प्रेरित भी करती है। आज बीजापुर के दूरस्थ अंचल गांव नैमेड़ नयापारा में प्रत्येक हितग्राही के घर में पोषण बाड़ी बनी हुई है। और नियमित अपने भोजन में हरी साग-सब्जियों का सेवन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के अंतर्गत मिलने वाले अंडा।

मंत्री ने 10.36 करोड़ रूपए की लागत से 215 नग सोलर हाई मास्ट लाइट स्थापना कार्य का किया भूमि पूजन

प्रदेश में सबसे अधिक सोलर हाई मास्ट लाइट लगाने वाला जिला कबीरधाम

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण, विधि विधायी तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर ने आज कवर्धा के ऊर्जा पार्क में जिले जिले की नगर पालिका, नगर पंचायत व ग्रामीण अंचलों में 1200 वाट्स 9 मीटर क्षमता के 215 नग सोलर हाई मास्ट लाइट स्थापना कार्य का भूमि पूजन किया। ये सोलर हाई मास्ट लाईट 10 करोड़ 36 लाख 35 हजार की लागत से नगर और गांव के चौक-चौराहे पर लगाई जाएंगी। इस अवसर पर क्रेडा के सदस्य श्री कन्हैया अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने इस अवसर पर कहा कि कबीरधाम जिला सबसे ज्यादा सौर हाई मास्क लाइट लगाने वाला जिला बन गया है। सोलर योजना के तहत किसानों को सोलर पंप का लाभ भी दिया जा रहा है। जिले में क्रेडा से संबंधित सभी योजनाएं लाने का कार्य किया गया है और वे सफल हुई हैं। उन्होंने कहा कि सोलर हाई मास्ट लाइट स्थापित होने से शहर और गांव रोशन होंगे। सोलर लाइट से प्रकाश होने से बिजली की बचत होगी। अक्षय ऊर्जा के विस्तार की क्षेत्र में यह अच्छी पहल है। इसके माध्यम से सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा एकत्रित होकर इसका उपयोग रात में प्रकाश के लिए होगा। केबिनेट मंत्री व कवर्धा विधायक के विशेष प्रयास से जन आकांक्षाओं के अनुरूप कवर्धा जिले में कवर्धा नगरपालिका सहित जनपद पंचायत के विभिन्न ग्रामों के लिए हाई मास्ट सोलर लाइट की स्वीकृति प्रदान की गई। जिसका आज भूमिपूजन किया गया है। छत्तीसगढ़ क्रेडा को भारत सरकार द्वारा अच्छे कार्य के लिए प्रोत्साहित किया गया है। दिल्ली में आयोजित समारोह में इस क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए प्रथम पुरस्कार भी विगत

दिनों प्रदान किया गया है। जिले के अनेक गांव के चौक चौराहे रोशन हो रहे हैं। किसान हित में भी सौर सुजला योजना के जरिये सोलर पंप के जरिए सिंचाई का लाभ भी जिले के किसानों को अधिक से अधिक दिया जा रहा है। जिले में प्रकाश के लिए क्रेडा के चेयरमैन श्री मिथलेश स्वर्णकार ने 215 हाई मास्ट लाइट स्वीकृत की है। जिसके तहत कवर्धा विधानसभा के अंतर्गत नगरपालिका कवर्धा क्षेत्र के अनेक चौक चौराहों के लिए 16 नग सोलर लाइट ,नगर पंचायत बोड़ला में 5 नग, सहसपुर लोहारा के लिए 5 नग, पिपरिया अंतर्गत 7 नग, बोड़ला जनपद पंचायत के अनेक गाव के लिए 44 नग, कवर्धा जनपद क्षेत्र के 69 गावों में 69 नग और सहसपुर लोहारा जनपद के लिए 29 नग की स्वकृति दी गई है। इसी तरह पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के पंडरिया जनपद पंचायत के लिए 20 नग, जनपद पंचायत कवर्धा के लिए 12 नग और जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा के लिए 8 नग इस तरह कुल 215 नग की स्वीकृति मिली है। इस दौरान की क्रेडा जोनल कार्यालय अधीक्षण अभियंता श्री भानुप्रताप, जिला प्रभारी क्रेडा श्री वैभव दुबे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, कवर्धा श्री ऋषि कुमार शर्मा, अध्यक्ष नगर पंचायत, सहसपुर लोहारा श्रीमती अनारा साहू, अध्यक्ष नगर पंचायत पिपरिया श्री महेन्द्र कुम्भकार, अध्यक्ष नगर पंचायत, बोड़ला श्रीमती सावित्री साहू, श्री होरीराम साहू, अध्यक्ष, कृषि उपज मण्डी समिति कवर्धा श्री नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष कृषि उपज मण्डी समिति श्री चोवाराम साहू, अध्यक्ष, जनपद पंचायत, श्रीमती लीलाधनुक वर्मा, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com